हरिभूमि

रायपुर भूमि

हार्वेस्टर से कटाई के बाद ट्रैक्टर में बोरे में भरकर ला रहे सालभर की मेहनत

सड़क किनारे उपज की निगरानी करने डेरा बनाया, मशीन लगाकर मिंजाई भी कर रहे

नया रायपुर की चकाचक और साफ-सुथरी सड़क पर धान का ढेर, पर्याप्त सूर्य प्रकाश इसलिए किसानों का ठीहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवा रायपुर को भले मुर्दों का शहर की संज्ञा दी जाती है, जहां शाम के समय सन्नाटा पसर जाता है, पर इन दिनों यहां की चकाचक और चौड़ी सड़क आसपास के किसानों के बहुत काम आ रही है। खरीफ में धान की फसल कटाई का सीजन इस समय चल रहा है, ऐसे में नवा रायपुर के बरोदा सहित आसपास के किसान अपने खेत से धान की फसल को हार्वेस्टर से कटाई कर बोरों में भरकर यहां ला रहे हैं। उनके लिए यह सड़क किसी वरदान से कम ⏭शेष पेज 11 पर

अलग खबर

सड़क किनारे धान की हो रही मिंजाई

आमतौर पर किसान अपने खलिहान में ही खरीफ फसल की मिंजाई ट्रैक्टर, बैलगाड़ी या अन्य साधनों से करता है, पर इस साल बारिश ज्यादा होने के कारण खलिहान पूरी तरह सूख नहीं पाया है। मिंजाई करने पर धान जमीन में धंस रहा है। इस परेशानी को देखते हुए बरोदा के किसान नवा रायपुर के सड़क किनारे खेत से अनाज बोरियों में भरकर ला रहे हैं। वहीं पर मशीन लगाकर मिंजाई का काम साथ-साथ चल रहा है। धान सूखने के बाद इसे घरों में पहुंचाने का काम परिवार के साथ किया जा रहा है।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का इंतजार

प्रदेशभर में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने में अभी कुछ दिन बाकी है। इसीलिए आसपास के गांव के ग्रामीण नवा रायपुर की चौड़ी सड़क पर धान की ढेरी बनाकर सुखा रहे हैं। 15 नवंबर से धान खरीदी विभिन्न धान उपार्जन सहकारी समिति में प्रारंभ होगी, तब वे सीधे अपनी उपज को ट्रैक्टर सहित अन्य वाहनों में भरकर सहकारी समिति यहीं से ले जाएंगे।

खबर संक्षेप

श्रद्धा गुप्ता को पीएचडी

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के 16वें दीक्षांत समारोह में शोधार्थी श्रद्धा गुप्ता को उनके उत्कृष्ट शोध के लिए डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि से सम्मानित किया गया। उक्त समारोह पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित किया गया, जहां मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में उन्हें यह प्रतिष्ठित उपाधि प्रदान की गई। डॉ. श्रद्धा गुप्ता बायोटेक्नोलॉजी विभाग की शोधार्थी थीं। उन्होंने अपना शोध डॉ. अवनीश कुमार और डॉ. डी. वसंत के कुशल पर्यवेक्षण में पूरा किया। उनका शोध कार्य बायोपॉलीमेरिक माइक्रोनीडल पैच की डिजाइन, निर्माण और जैविक दवा की ट्रांसडर्मल डिलीवरी के मूल्यांकन पर केंद्रित है। श्रद्धा गुप्ता सेवानिवृत्त अतिरिक्त कलेक्टर मनहरण लाल गुप्ता की सुपुत्री और लोक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता स्वर्गीय देवेंद्र कुमार चौधरी की पुत्रवधू हैं।

गाड़ी सीज करने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। कोतवाली थाना में एक फाइनेंस कंपनी के एरिया हेड मैनेजर ने एक व्यक्ति के खिलाफ गाड़ी सीज करने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। टाटा कैपिटल फाइनेंस कंपनी के एरिया हेड मैनेजर वी. मनोज कुमार ने देबाशीष साहू के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। मनोज ने पुलिस को बताया है कि देबाशीष साहू फाइनेंस कंपनी के पुजारी चैंबर स्थित कार्यालय में आकर उस पर ट्रक सीज कर जबरन खींचकर लाने का आरोप लगाते हुए मारपीट की।

आपसी रंजिश के चलते मारपीट

रायपुर। खम्हारडीह थाने में एक महिला ने एक अन्य महिला तथा अन्य के खिलाफ आपसी रंजिश के चलते मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कचना निवासी द्रौपदी धीवर ने बिलासो बीबी तथा अन्य के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। द्रौपदी ने पुलिस को बताया है कि बिलासो अपने साथ अन्य महिलाओं को लेकर उसके घर पहुंच गई और उस पर झूठे आरोप लगाते हुए मारपीट की। बिलासो ने भी द्रौपदी के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है।

डिलीवरी ब्वाय यूनियन की हड़ताल

रायपुर। ऑनाइन ट्रैडिंग कंपनी के सात सौ के करीब डिलीवरी ब्वाय यूनियन ने कंपनी के खिलाफ शोषण तथा भुगतान नहीं करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को बीटीआई ग्राउंड पर हड़ताल कर विरोध प्रदर्शन किया। ब्लिंकीट डिलीवरी ब्वाय यूनियन से जुड़े डिलीवरी ब्वायज ने आरोप लगाया है कि कंपनी उनसे तय समय से कहीं ज्यादा घंटे काम करवाती है, लेकिन न तो ओवरटाइम दिया जा रहा है और न ही पुराने रेट से भुगतान किया जा रहा। पहले उन्हें 15 रुपए प्रति किलोमीटर के हिसाब से भुगतान मिलता था, जो अब घटाकर सिर्फ 7 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है।

वर्ष 2021 में जयदीप को 18 लाख कर्ज देकर दोनों भाइयों ने वसूले थे 54 लाख

तोमर सूदखोरी, एक्सटार्सन और आर्म्स एक्ट में बुक, पैसों का हिसाब अभी भी नहीं मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सूदखोरी के धंधे से रईसों की जिंदगी जीने वाले सूदखोर भाई वीरेंद्र तथा रोहित तोमर में से पुलिस अब तक विरेंद्र को गिरफ्तार कर पाई है, उसके छोटे भाई की पुलिस अब तक पतासाजी नहीं कर पाई है। वीरेंद्र की गिरफ्तारी उसके खिलाफ पुरानी बस्ती थाने में दर्ज सूदखोरी, एक्सटार्सन तथा अर्म्स एक्ट के प्रकरण में हुई है। पुरानी बस्ती सीएसपी राजेश देवांगन के अनुसार रोहित की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीम गठित की गई है। रोहित के छिपने के संभावित ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि अब तक की पूछताछ में वीरेंद्र ने पैसों की उगाही और रकम की सही जानकारी नहीं दिया है। ⏭शेष पेज 11 पर

हरिभूमि फॉलोअप

ठेला से सूदखोरी के धंधे में कूदे

पूछताछ में वीरेंद्र ने जैसे पुलिस को बताया है, उसके मुताबिक फल कारोबार करने के दौरान उनके पास कुछ पैसे जमा हुए। जमा पैसे दोनों भाइयों ने ठेला, खोमचा वालों को ऊंची ब्याज दर पर उधार दिया। इसी के साथ ही अन्य जरूरतमंदों को ब्याज में पैसा देने लगे। दोनों भाई उन्हीं लोगों को ब्याज में रुपए देते थे, जिन्हें वे डरा धमकाकर मूलधन, ब्याज के साथ कई गुना ज्यादा पैसे वसूल कर सकें।

टाट-बाट के जीवन जीने की चाहत ने तोमर बंधु को बनाया सूदखोर, पूछताछ में उगली सच्चाई

■ चुनाव लड़ने का इच्छुक था इसलिए सूदखोरी के धंधे से खुद को अलग करने लगा था

अंडा ठेला, ऑटो, फल कारोबार बना सूदखोरी का माध्यम

वीरेंद्र तोमर से पूछताछ में जो बातें सामने आई हैं, उसके मुताबिक दोनों भाई टिकरपारा थाना क्षेत्र के पुजारी नगर में किराए के मकान में रहते थे। किराए पर रहते हुए दोनों भाई अंडा ठेला लगाकर जीवन यापन करते थे। इसके बाद दोनों भाइयों ने किराए पर ऑटो लेकर ऑटो चलाया। इसके बाद खुद का ऑटो खरीदा। ऑटो चलाने के बाद दोनों भाई फल का कारोबार करने लगे। फल कारोबार से प्राप्त आय से दोनों भाई ब्याज के धंधे में उतरे।

संपत्ति कब्जा करने की बात से कर रहा इनकार

घर में मिले कोरे स्टांप पेपर, प्रापर्टी के दस्तावेज जबरन हथियाए जाने की बात को विरेंद्र ने अब तक कबूल नहीं किया है। उसने पुलिस को उक्त प्रापर्टी अलग-अलग लोगों से खरीदी करने तथा सौदा होने की बात कह कर पुलिस को गुमराह करने प्रयास कर रहा है। उल्लेखनीय है कि सूदखोर तोमर भाई मूलधन सहित ब्याज की रकम लेने के बाद भी लोगों से अवैध रूप से उगाही करते थे। रकम देने में असमर्थ लोगों की प्रापर्टी के पेपर दबाव डालकर अपने कब्जे में ले लेते थे।

विधायक बनने भाई, भतीजा को आगे करने लगा

वीरेंद्र तोमर विधायक बनने अलग-अलग राजनीतिक दलों के संपर्क में था। इसीलिए वह करणी सेना की आड़ में धार्मिक आयोजन करने के साथ कई अन्य तरह के कार्यक्रम करता था। चुनाव लड़ने किसी तरह से परेशानी न हो, इसके लिए वीरेंद्र ने पिछले चार-पांच वर्षों से सूदखोरी के धंधे से खुद को अलग कर लिया था। सूदखोरी के कारोबार में मदद करने उसने अपने भतीजा को तैयार कर रोहित के साथ लगा दिया था।

जयदीप से 18 के बदले वसूले थे 54 लाख

खम्हारडीह निवासी जयदीप बैनर्जी ने वीरेंद्र तथा रोहित तोमर के खिलाफ पुरानी बस्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दर्ज शिकायत के अनुसार जयदीप ने वर्ष 2021 में जरूरत पड़ने पर वीरेंद्र तोमर से संपर्क कर 18 लाख रुपए ब्याज में लिया था। इसके वह विरेंद्र तथा उसके भाई को 54 लाख रुपए दे चुका है। बावजूद इसके दोनों भाई मूलधन बाकी होने की बात कह कर जयदीप पर ब्याज के साथ मूलधन की रकम देने दबाव बना रहे थे।

31 दिसंबर तक 24 घंटे मिलेगा पानी, प्रति व्यक्ति रोजाना 158 लीटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड शहर में अपने बहुप्रतीक्षित 24 घंटे जल आपूर्ति के प्रोजेक्ट को 31 दिसंबर तक शुरू करने की तैयारी में है। इस प्रोजेक्ट के अमल में आने से शहर के 15 चयनित वार्डों को इसका लाभ मिल सकेगा। इसमें प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 158 लीटर शुद्ध पानी की खपत को मानक मानकर जल आपूर्ति की जाएगी। संबंधित वार्डों के घरों-दुकानों में लगाए गए स्वचालित वाटर मीटर में जल की खपत की रीडिंग के हिसाब से पानी का शुल्क लिया जाएगा। हालांकि नगर निगम ने अभी तक इसके लिए दर तय नहीं की है। राजधानी के 15 वार्डों के 1 लाख 15 हजार आबादी को 24 घंटे पीने का शुद्ध पानी जल्द मिलेगा। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड से अनुबंधित एजेंसी ने 130 करोड़ के पॉयलट प्रोजेक्ट में 180 किलोमीटर के दायरे में नई पाइप लाइन बिछाने के साथ ही 23 हजार में से 20 हजार से अधिक घरों में वाटर मीटर लगाने का काम पूरा कर लिया है, जबकि 3 हजार वाटर मीटर लगाने काम चल रहा है। ⏭शेष पेज 11 पर

■ जितनी पानी की खपत, उतना जल शुल्क का फार्मूला

इन वार्डो को मिलेगा फायदा

गंज कमांड एरिया : रमन मंदिर वार्ड, इंदिरा गांधी वार्ड, हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड, तात्यापारा वार्ड, शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड, स्वामी आत्मानंद वार्ड।
मोतीबाग कमांड एरिया : महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड, ब्राम्हणपारा वार्ड, स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड, मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड, सिविल लाइन वार्ड, शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड, विपिन बिहारी सूर वार्ड, महामाया मंदिर वार्ड।

सामाजिक सौहार्द्र खराब करने वाले संदिग्ध अकाउंट पर पुलिस का पहरा

- महाराष्ट्र के सोशल मीडिया इंफ्लूएंजर तथा रायपुर के युवक के खिलाफ थाने में शिकायत
- छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के अध्यक्ष के खिलाफ रायपुर में तीन अपराध दर्ज, कई अन्य राज्यों में शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पिछले महीने वीआईपी चौक स्थित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा खंडित करने की घटना के बाद से कतिपय तत्वों द्वारा सामाजिक सौहर्द्र खराब करने की कोशिश की जा रही है। सामाजिक सौहार्द्र खराब करने सोशल मीडिया में कई फेक अकाउंट होने की जानकारी पुलिस को मिली है। इसके बाद पुलिस की साइबर सेल की चार सदस्यी टीम फेक अकाउंट की पड़ताल करने के साथ दो दर्जन से ज्यादा संदिग्ध अकाउंट की निगरानी कर रही है। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ उनके अकाउंट ब्लाक करने एसएसपी ने निर्देश दिए हैं। समाज विशेष के आराध्य को लेकर छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के अध्यक्ष अमित बघेल द्वारा आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के बाद सिंधी तथा अन्य समाज के कुछ लोगों ने छत्तीसगढ़ के रहने वाले तथा उनके आराध्य को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसके बाद से दोनों पक्षों के खिलाफ रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर जांच कर कार्रवाई कर रही है। शिकायत दर्ज कराने के बाद सोशल मीडिया में मामले ने तूल पकड़ लिया है।

खास खबर

सामाजिक सौहार्द्र बनाए रखें

लोग आपसी भाईचारा के साथ सामाजिक सौहार्द बनाए रखें। भाईचारा, सौहार्द खराब करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया में फैलाई जा रही किसी भी तरह की अफवाह तथा आपत्तिजनक टिप्पणी करने से लोग बचें।
- डॉ. लाल उमेद सिंह, एसएसपी रायपुर

महाराष्ट्र के इंफ्लूएंजर के खिलाफ शिकायत

छत्तीसगढ़ क्रांति सेना की आपत्तिजनक टिप्पणी से नाराज महाराष्ट्र के सोशल मीडिया इंफ्लूएंजर हिंदुस्थानी भाऊ उर्फ विकास पाठक ने अमित बघेल के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की है। साथ ही रायपुर अमलीडीह निवासी विनोद पांडा ने सोशल मीडिया में छत्तीसगढ़ तथा यहां के निवासियों के खिलाफ सोशल मीडिया में आपत्तिजनक टिप्पणी की है। इन दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने छत्तीसगढ़ क्रांति सेना से जुड़े नेताओं ने राजेंद्र नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

सोशल मीडिया की निगरानी

एक दूसरे के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद अलग-अलग वर्ग से जुड़े लोग सोशल मीडिया के माध्यम से एक दूसरे के खिलाफ आरोप प्रत्यारोप लगाने के साथ आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे हैं। ऐसे में सामाजिक सौहार्द्र बनाए रखने सोशल मीडिया की निगरानी की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस दो दर्जन से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट को संदेहास्पद मानते हुए उन अकाउंट की विशेष निगरानी कर रही है। जिन अकाउंट के फेक होने की आशंका है, उस अकाउंट की आईपी एड्रेस की जांच कर पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। एसएसपी के अनुसार सामाजिक सौहार्द्र बिगाड़ने वाले लोगों के अकाउंट भी ब्लाक किए जाएंगे।

अमित के खिलाफ तीन थाना क्षेत्र में अपराध दर्ज

अमित बघेल द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद अग्रवाल तथा सिंधी समाज से जुड़े लोगों ने सिविल लाइंस के साथ देवेंद्र नगर तथा कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के अध्यक्ष के खिलाफ मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में भी शिकायत दर्ज कराई है। रायपुर में एफआईआर दर्ज होने के बाद अमित बघेल फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसएसपी ने पांच हजार रुपए इनाम की भी घोषणा की है।

जारी है ठंड का प्रकोप

शहर की तुलना में माना ज्यादा ठंडा, दुर्ग, नांदगांव में भी शीतलहर जैसे हालात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर की तुलना में माना ठंड से ज्यादा प्रभावित है। दोनों क्षेत्रों के न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री का अंतर है। अगले चौबीस घंटे में दुर्ग और नांदगांव में भी शीतलहर जैसे हालात बनने की संभावना है। राज्य के उत्तरी इलाके में तो ठंड से पाला जमने लगा है। सप्ताहभर ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है। पिछले चौबीस घंटे में सबसे कम तापमान 7.7 अंबिकापुर का दर्ज किया गया।

नवंबर का दूसरा सप्ताह प्रदेश में भारी ठंड लेकर आया है। उत्तर से आने वाली ठंडी और शुष्क हवा के प्रभाव से उत्तर के साथ मध्य हिस्सा भी कांप रहा है। रायपुर के साथ आसपास के तमाम जिलों में रात में शीतलहर जैसी स्थिति बनी हुई है। शहर का पारा तो सामान्य से 4 से 5 डिग्री सेल्सियस कम है, मगर माना का पारा करीब 7 डिग्री नीचे होकर 10 के करीब पहुंच गया है। इस तरह की स्थिति पेंड्रा में भी बनी हुई और ठंड के मामले में अंबिकापुर ने सबको पीछे छोड़ दिया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक प्रदेश में उत्तर से ठंडी और शुष्क हवाओं का आगमन लगातार जारी है । इसके कारण प्रदेश में न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट के साथ विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है।

छात्रों को बताएंगे-कितनी देर तक करें मोबाइल का प्रयोग, साइबर क्राइम से बचने मिलेंगे टिप्स

विद्यालय के प्राचार्यों व काउंसलर को दिया जाएगा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अब छात्रों के सामाजिक कल्याण और समग्र विकास की दिशा में कार्य करेगा। सीबीएसई प्राचार्य व विद्यालय के काउंसलर्स को छात्रों के समग्र विकास के लिए टिप्स देगा। बोर्ड की ओर से अगले माह एक राष्ट्रीय किशोर शिखर सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। बोर्ड ने स्कूलों से प्रधानाचार्यों, उप-प्रधानाचार्यों, परामर्शदाताओं को इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कहा है। जिससे कि वह इसका लाभ लेकर स्कूलों में इसको अपना सकें। सीबीएसई के अनुसार, प्रत्येक किशोर को लिए सुरक्षित वातावरण प्रदान करना इस किशोर शिखर का उद्देश्य है।

■ छात्रों को उचित जीवनशैली प्रदान करने किया जा रहा प्रयोग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के के उद्देश्यों के अनुरूप इसके जरए सुरक्षित समावेशी और पोषणकारी स्कूली वातावरण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह सम्मेलन किशोर स्वास्थ्य, भावनात्मक और सामाजिक कल्याण और समग्र विकास पर संवाद, विचारों के आदान-प्रदान और सहयोगात्मक कार्रवाई के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। जिसमें विशेषज्ञ चर्चाओं और सार्थक सहभागिताओं के माध्यम से छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, सोशल मीडिया के प्रभाव, जीवनशैली की चुनौतियों और कॅरिअर की तैयारी जैसी प्रमुख चिंताओं पर ध्यान दिया जाएगा।

माशिम शुरू कर चुका है हेल्पलाइन नंबर

मोबाइल फोन के कारण छात्रों में बढ़ते डिप्रेशन को देखते हुए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने अक्टूबर माह में हेल्पलाइन नंबर प्रारंभ किया है। प्रत्येक शुक्रवार को माशिम द्वारा नियुक्त मनोवैज्ञानिक छात्रों की काउंसिलिंग कर रहे हैं। इसमें छात्रों को मोबाइल स्क्रीन टाइम कम करने सहित अन्य टिप्स दिए जा रहे हैं। ना केवल स्कूली छात्र बल्कि महाविद्यालयीन छात्रों के फोन कॉल भी इस हेल्पलाइन नंबर पर प्राप्त हो रहे हैं।

सही आदतें बनाने पर जोर

इसमें सोशल मीडिया, साइबर सुरक्षा और स्क्रीन टाइम का उपयोग, मानसिक स्वास्थ्य मामलों पर पर बोलना, सही आदतें, कॅरिअर विकल्प, स्किल, जैसे अन्य विषयों पर प्रिंसिपल, व काउंसलरों को जानकारी दी जाएगी। बोर्ड ने देशभर के संबद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों, उप-प्रधानाचार्यों, परामर्शदाताओं को इस शिखर सम्मेलन में पंजीकरण और भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा है। इसमें भाग लेने वाले प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल व काउंसलरों और वेलनेस शिक्षकों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा।

बिरनपुर हिंसा केस में आज होगी सीबीआई की विशेष अदालत में सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ गवाह के साथ आरोपी पेश होंगे कोर्ट में

बिरनपुर हिंसा मामले में बुधवार को सीबीआई की विशेष अदालत में प्रमुख गवाह भागीरथी साहू ने उपस्थिति दर्ज कराई। हत्याकांड के ढाई वर्ष बाद भागीरथी गवाही देने कोर्ट में उपस्थित हुए। सीबीआई द्वारा धारा बढ़ाए जाने अर्जी लगाए जाने तथा प्रकरण में जमानत पर रिहा हुए आधा दर्जन आरोपियों की कोर्ट में उपस्थिति दर्ज कराने पर गवाही को कोर्ट ने एक दिन के लिए टाल दिया। प्रकरण की सुनवाई गुरुवार को होगी। इस दौरान कोर्ट ने सभी गवाहों को उपस्थित रहने निर्देश दिया है। बेमेतरा जिला के साजा विधानसभा के ग्राम बिरनपुर में बच्चों के आपसी विवाद के चलते 8 अप्रैल 2023 में दो समुदायों के बीच पथराव के साथ मारपीट की घटना हुई थी। इसी विवाद के चलते भुनेश्वर साहू की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद क्षेत्र में ⏭शेष पेज 11 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

समिति की बैठक की मांग सीएस से

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव विकासशील से भेंट कर परामर्शदात्री समिति की बैठक शीघ्र आयोजित करने की मांग रखी थी। मुख्य सचिव ने सभी स्तरों पर परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करने शासन स्तर से दिशा-निर्देश जारी करने का आश्वासन दिया था। फेडरेशन के पत्र के अनुसार शासन द्वारा परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करने संबंधी आदेश सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी किया गया है। संचालनालय स्तर पर परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित होने के बाद राज्य स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की जाएगी।

बस्तर में हो रहा नीली क्रांति का आगाज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पिछले 25 वर्षों में मछलीपालन ने जो करिश्मा दिखाया है, वह किसी क्रांति से कम नहीं है। राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों और प्रोत्साहन योजनाओं की सहायता से यहां मछली उत्पादन लगभग आठ गुना बढ़ गया है। जहां कभी सालाना उत्पादन महज 574 मीट्रिक टन था, वहीं आज 16 हजार मीट्रिक टन से अधिक उत्पादन हो रहा है। इसी तरह मत्स्य बीज उत्पादन भी 149 लाख फिंगरलिंग्स से बढ़कर 728 लाख से ज्यादा हो गया है। इस वृद्धि को और भी बल देने के लिए शासन द्वारा मछली पालन को कृषि का दर्जा प्रदान किया गया है। इसके बाद मत्स्यपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी मिल रही है। जिसमें एक लाख रुपये तक का ऋण बिना ब्याज के और तीन लाख रुपए तक महज एक प्रतिशत ब्याज पर सहजता से ऋण उपलब्ध है। पहले यह सुविधा सीमित और महंगी थी। जलकर और बिजली बिल में छूट ने भी मछलीपालकों एवं किसानों का हौसला बढ़ाया है। नतीजा यह कि दस हजार से ज्यादा मत्स्यपालकों एवं किसानों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आया है।

पीजी सीटों में स्थानीय छात्रों को प्राथमिकता

रायपुर। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने बुधवार की रात शासकीय एवं निजी मेडिकल कालेज की एमडी-एमएस सीटों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रारंभ कर दिया है। योग्य अभ्यर्थी 13 से 18 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क सभी श्रेणियों के 2 एवं एनआरआई कोटे के लिए 10 हजार निर्धारित किया है। इसके साथ ही पीजी प्रवेश के लिए नियम का निर्धारण भी किया है। इसमें राज्य के मेडिकल कालेजों की सीटों में स्थानीय अभ्यर्थी यानी आयुष विवि से संबंधित चिकित्सा महाविद्यालयों से एमबीबीएस की पढ़ाई करने वालों प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अगर सीटें शेष बचती है तो अन्य महाविद्यालयों से पढ़ाई पूरी करने वालों को प्रवेश दिया जाएगा। चिकित्सा संगठन सीजीडीएफ की काफी पुरानी मांग थी, उनका तर्क था कि पीजी काउंसिलिंग में एम्स के यूजी छात्रों को शामिल किए जाने से स्थानीय छात्रों को नुकसान उठाना पड़ता है। वहीं बांड राशि में राहत देने चिकित्सक संगठनों की मांग पर विचार नहीं किया गया है। पीजी के लिए सामान्य वर्ग के लिए 50 एवं आरक्षित वर्ग के लिए 40 लाख अनुबंध राशि को यथावत रखा गया है।

हेलीपैड में मवेशियों का कब्जा, कर रहे बुल फाइटिंग, सुरक्षा में तैनात जवान हकालते दिखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हाईवे से लेकर शहर के वीवीआईपी क्षेत्र, गली मोहल्लों में जहां तहां मवेशियों का झुंड मिलना आम बात है। मवेशी अब उन संवेदनशील क्षेत्र जिनकी गणना सबसे सुरक्षित क्षेत्र के रूप में होती है, मवेशी वहां तक पहुंच कर अपनी धमक दिखा रहे हैं। ऐसा ही नजारा शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड में देखने को मिला।

पुलिस लाइन स्थित हेलीबैंड में आधा दर्जन के करीब मवेशी अंदर जहां मुख्यमंत्री सहित अन्य मंत्रियों का हेलीकॉप्टर लैंड होता है, उस जगह पर झुंड में दिखे। जहां मवेशी एकत्रित हुए थे, उसी जगह दो सांड आपस में फाइटिंग करते दिखे। मौके पर उपस्थित सुरक्षा के जवान मवेशियों को हकाल कर बाहर निकालने की कोशिश करते दिखा।

मवेशी भी इतने ढीठ की सुरक्षा बल के जवान हकाल कर बाहर निकालने की कोशिश कर रहा, लेकिन मवेशी अपनी जगह पर डटे दिखे। आपस में फाइट कर रहे मवेशियों को सुरक्षा जवान के हकालने का किसी भी प्रकार से असर होता नहीं दिख रहा।

हाईवे से लेकर गली मोहल्लों तक मवेशियों का झुंड मिलना आम बात

इन प्रमुख चौराहों पर जमाए रहते हैं कब्जा

शहर की सड़कों को मवेशी मुक्त करने का दावा कागजों तक सिमट कर रह गया है। शहर के प्रमुख स्थान जहां आए दिन वीवीआईपी लोगों की आवाजाही होती है, मुख्यमंत्री निवास जाने के मार्ग में जहां कई आईएएस, आईपीएस के साथ अन्य मंत्रियों का निवास है, उस मार्ग में मवेशियों के झुंड विचरण करते हुए देखे जा सकते हैं। ऐसे में शहर के अन्य हिस्सों की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

शहरों में अधिकतर वार्डो में नहीं बंटा गणना पत्रक, निर्वाचन के जारी आंकड़े पर सवाल

एसआईआर में गुलाबी को नीला करने का खेल ड्यूटी और निर्वाचन के बीच फंसे बीएलओ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में आयोग का दावा है कि 70 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं को गणना पत्रक का वितरण किया जा चुका है। एसआईआर में शिक्षक, शिक्षा विभाग के लिपिक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही उन्हें विभागीय कार्य में भी समय पर उपस्थिति देनी है। बीएलओ को गणना पत्रक वितरण के लिए मोबाइल पोर्टल भी दिए गए हैं, जिसमें संबंधित मतदान केंद्र के मतदाताओं का नाम दिया है। गणना पत्र वितरण के बाद गुलाबी रंग में दिए गए नाम को क्लिक करने पर वह नीला रंग हो जाता है, इसका मतलब गणना पत्र वितरित कर दिया गया है। बीएलओ बिना गणना पत्र वितरित किए अपनी उपस्थित दर्शाने यह खेल कर रहे हैं।

इसका कंट्रोल जिले के प्रभारी अधिकारी के पास होता जिनको इस पोर्टल के माध्यम से दिनभर में वितरित किए गए गणना पत्रक की जानकारी मिलती है। शहर में कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां पर मतदाता दिए गए पते पर नहीं मिल रहे हैं। प्रभारी अधिकारी बीएलओ पर दबाव बना रहे हैं कि गणना पत्रक वितरण का कार्य समय पर पूरा करें। मतदाताओं को वितरित किए गए गणना प9 के में कई जानकारी मांगी है। शहरी क्षेत्र में अधिकांश मतदाताओं को गणना पत्र वितरित नहीं किया गया है। निर्वाचन आयोग ने बीएलओ के लिए घर-घर जाकर गणना पत्रक वितरण के कार्य को अनिवार्य घोषित किया है। ऐसे में उन पर दोहरा दबाव है। एक तो समय पर ड्यूटी आना है, वहीं निर्वाचन का कार्य भी समय पर पूरा करना है।

शहरी इलाकों में नहीं बंट रहे गणना पत्रक

शहर के चारों विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के घर-घर तक बीएलओं के एक सप्ताह बाद भी नही पहुंचे हैं। ऐसे में यह कहा जा रहा है कि एसआईआर का काम समय पर पूरा हो। गणना पत्रक मतदाता तत्काल भरना चाहे, तो बीएलओ को एक जगह पर आधे से पौन घंटे रुकना पड़ेगा। ऐसे में एक दो घर तक ही समिति रह जाएगा। शहरी इलाकों में पुरानी बस्ती में 4 दिसंबर से पुनरीक्षण शुरू हुआ, लेकिन बीएलओ आज कुछ घरों में दिखे। वहीं दक्षिण विधानसभा के 253 बूथो में आधा दर्जन बूथों में अब तक एक भी गणना पत्रक नहीं बंटा है। कुछ जगहों पर 10 से कम तो कुछ बूथों में 100 से अधिक गणना पत्रक वितरित करने की जानकारी आई है।

अफसरों का दबाव

एसआईआर के काम को लेकर अफसरों का बीएलओ पर दबाव है कि दो दिन में गणना पत्रक वितरित करें अन्यथा कलेक्टर से कार्रवई की अनुसंशा की जागी। ऐसे में बीएलओ अपनी अन्य स्थानों पर ड्यूटी को लेकर कार्य में देर होने की बात कह रहे हैं। अफसरों की धमकियों से बीएलओ गणना पत्रक वितरित किए बिना ही अपने मोबाइल पोर्टल एपर गुलाबी रंग में दिए मतदाता के नाम को क्लिक कर दे रहे हैं जिससे वह नीला रंग होकर गणना पत्रक वितरित होना बताया जा रहा है। वह प्रभारी अधिकारी के लॉगिन में बीएलओ के खाते में वह संख्या एड हो जा रही है।

एक दिन में 18 प्रतिशत लोगों को गणना पत्रक वितरित

निर्वाचन आयोग का दावा है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत अब तक करीब 1 करोड़ 51 लाख 69 हजार 885 मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, जो कि प्रदेश में मतदाताओं की कुल संख्या के 72 प्रतिशत से अधिक है। कल यह करीब 54 प्रतिशत के लगभग था। यानी एक दिन में करीब 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विगत 4 नवम्बर से एसआईआर की शुरुआत के बाद से बीएलओ घर-घर पहुंचकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं।

गोल्डन अवर में अनमोल जान बचाना ट्रामा का मूल उद्देश्य

आयुष विद्यार्थियों को ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इमरजेंसी में ट्रामा में गंभीर हालत में आने वाले मरीजों को सही उपचार देकर जीवन बचाया जा सकता है। इसी उद्देश्य के साथ एम्स में आयुष विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए ट्रॉमा केयर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में एयरवे प्रबंधन, स्पाइन स्थिरीकरण, कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर), सर्वाइकल कॉलर का उपयोग, हेलमेट हटाने की तकनीक, अंतःशिरा (आईवी) कैनुलेशन एवं स्यूचरिंग तकनीक जैसे आपातकालीन कौशलों का अभ्यास कराया गया।

- एम्स डाक्टरों ने बताए आपात स्थिति में आने वाले मरीजों के इलाज के गुर

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के ट्रॉमा एवं आपातकालीन विभाग ने आयुष मंत्रालय के सहयोग से इस कार्यशाला का आयोजन किया। विभागाध्यक्ष ट्रामा एवं इमरजेंसी डॉ. देवेन्द्र कुमार त्रिपाठी एआईआईएमएस रायपुर के मार्गदर्शन में चार दिन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहला प्रशिक्षण सत्र शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुआ। इसके बाद भारती आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज तथा महावीर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंसेज, राजनांदगांव में कार्यशालाएं आयोजित की गईं। प्रतिभागियों को जीवन-संकट की पहचान, प्राथमिक उपचार प्रदान करने एवं मरीज के सुरक्षित परिवहन की व्यावहारिक जानकारी दी गई। यह कार्यशाला भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा अनुमोदित एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा में एकीकृत प्रशिक्षण को बढ़ावा देना और स्वास्थ्यकर्मियों की आपातकालीन तैयारी को सुदृढ़ बनाना है। कार्यक्रम में 452 आयुष प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर एम्स के निदेशक अशोक जिंदल ने कहा कि सभी चिकित्सा पद्धतियों के स्वास्थ्य पेशेवरों को सशक्त बनाकर हम एक सक्षम और कुशल प्रतिक्रिया तंत्र तैयार करना चाहते हैं, जो ट्रॉमा की 'गोल्डन ऑवर' में अनमोल जीवन बचा सके।

चारों श्रेणियों में 'टॉप अचीवर' बना छग, दिखाया विकास का नया मॉडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर देशभर में अपनी पहचान सुधार और विकास के नए प्रतीक के रूप में दर्ज कराई है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'उद्योग संगम' में राज्य को बिज़नेस रीफॉर्म एक्शन प्लान की चारों प्रमुख श्रेणियों में 'टॉप अचीवर' घोषित किया गया। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ अब न केवल नीति निर्माण में, बल्कि नीति क्रियान्वयन में भी अग्रणी राज्यों की पंक्ति में शामिल हो चुका है।

- नीति से नीयत तक – छत्तीसगढ़ का सुधार मॉडल बना राष्ट्रीय उदाहरण

यह उपलब्धि उस परिवर्तन यात्रा की गवाही है जो छत्तीसगढ़ ने बीते वर्षों में तय की है। कभी बीआरएपी रैंकिंग में निचले पायदान पर रहने वाला यह राज्य आज गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे औद्योगिक दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। यह परिवर्तन केवल अंकों का सुधार नहीं, बल्कि शासन की सोच और दृष्टिकोण में आए मूलभूत परिवर्तन का परिणाम है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने सुशासन, पारदर्शिता और भरोसे पर आधारित प्रशासनिक ढांचा स्थापित किया है। इस ढांचे ने न केवल निवेशकों का विश्वास जीता है, बल्कि सामान्य नागरिकों के जीवन को भी सुगम और सशक्त बनाया है। राज्य सरकार ने सुधारों को केवल दस्तावेजों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें जन-जीवन में उतारकर एक नए विकास मॉडल का निर्माण किया है।

मुख्यमंत्री निवास में आज से फिर शुरू होगा जनदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री निवास रायपुर में 13 नवंबर गुरुवार को जनदर्शन का आयोजन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इस अवसर पर प्रदेशवासियों से सीधे संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का त्वरित और संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को समयबद्ध समाधान मिल सके। बताया जाता है कि अप्रैल-मई के बाद पाक्षिक कार्यक्रम जनदर्शन को स्थगित कर दिया गया था, जिसे अब फिर शुरू किया जा रहा है। राज्य सरकार के जनदर्शन कार्यक्रम का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। यह पहल मुख्यमंत्री श्री साय की जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता और पारदर्शी सुशासन के संकल्प को दर्शाती है, जिससे आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने अपने पहले साल के कार्यकाल में तीन जनदर्शन का आयोजन करने के बाद इसे स्थगित कर दिया था।

ग्राम सुराज के कारण स्थगित था

बताया जाता है कि अप्रैल मई माह में ग्राम सुराज के दौरान प्रदेश के दौरे पर मुख्यमंत्री निकले थे। प्रतिदिन प्रत्येक जिलों में मुख्यमंत्री सौगात लेकर आम जनता के बीच जा रहे हैं, सबसे मिल रहे हैं, उनकी समस्याएं सुन रहे थे। उसके बाद निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर व्यस्त रहे। जनदर्शन कार्यक्रम उस समय नहीं हो पाया था। अब मुख्यमंत्री ने फिर से इसे शुरू कर रहे हैं।

भूपेश ने कहा- सरकार नहीं खरीदना चाहती धान, अब तक किसानों को बंट जाना था टोकन

धान खरीदी पर सियासत, सरकार की तरफ से तैयारी बिल्कुल नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, धान खरीदी में महज 2 दिन बचे हैं। सरकार की तरफ से तैयारी बिल्कुल नहीं है। अभी तक टोकन बंट जाना चाहिए था, लेकिन पोर्टल शुरू नहीं हो पाया है।

सहकारी समिति के कर्मचारी, ऑपरेटर हड़ताल पर हैं, जिससे धान खरीदी प्रभावित होगी। उन्होंने कहा, सरकार ने धान खरीदी का लक्ष्य पिछले साल की तुलना में कम निर्धारित किया है। रकबा भी कम किया जा रहा है। पिछले साल का धान अब तक पड़ा हुआ है। मिलर को जो धान दिए वह एफसीआई में जमा नहीं हुए हैं। सरकार धान नहीं खरीदना चाहती है। सोसाइटी के कर्मचारियों को कांग्रेस का समर्थन है। 15 नवंबर को धान खरीदी नहीं होगी, तो किसान परेशान होकर आंदोलन करेंगे।

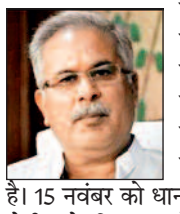

दिल्ली ब्लास्ट इंटेलिजेंस फैलियर

दिल्ली ब्लास्ट पर भूपेश बघेल ने कहा, पुलवामा में 400 किलो आरडीएक्स आया था, जिसका आज तक पता नहीं चला। दिल्ली में आरडीएक्स कहां से आया? पकड़ाने के 24 घंटे के भीतर विस्फोट हुआ। यह सरकार की बड़ी नाकामी है। उन्होंने कहा, इंटेलिजेंस फैलियर हुआ है, इसका जिम्मेदार कौन है।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी नहीं होगी प्रभावित : नेताम

इधर छत्तीसगढ़ में धान खरीदी शुरू होने से पहले सहकारी समितियों के कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं।

कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर कृषिमंत्री रामविचार नेताम ने कहा, हड़ताल करना उनका अधिकार है, लेकिन सरकार ने वैकल्पिक व्यवस्था तैयार कर ली है। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होगी। उन्होंने बताया कि धान खरीदी प्रभावित न हो, इसके लिए सभी कलेक्टरों को वैकल्पिक व्यवस्था करने के अधिकार दिए गए हैं।

पीडब्लूडी सचिव ने राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों की समीक्षा की

राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत दिसंबर तक पूर्ण करें : साव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बरसात की समाप्ति के बाद राज्यभर में राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत का काम जोरों पर है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने सभी सड़कों की मरम्मत का काम दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रगतिरत मरम्मत, नई सड़कों और नवीन परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के अधिकारियों से कहा गया कि बरसात के बाद अभी सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों को गति देने का अच्छा समय है। इसका सदुपयोग करते हुए कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाएं और उन्हें पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत के दौरान ठेकेदारों से कहा गया कि एसटीएमसी के सभी कम्पोनेन्ट्स के काम कराएं। जिन सड़कों की मरम्मत के काम प्रारंभ हो चुके हैं, वे रुकने नहीं चाहिए। कार्यों को तेज गति से करते हुए दिसम्बर तक हर हाल में पूर्ण कराएं।

राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत के 20 काम प्रगति पर, 3 के लिए जल्द कार्यादेश जारी किए जाएंगे

इन सड़कों का कार्यादेश जल्द

वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 कटनी-गुलमा मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-45 रतनपुर-केंदा-केंवची मार्ग और राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-153 रायगढ़-सारंगढ़-सरायपाली मार्ग के विभिन्न खंडों की मरम्मत के लिए अनुबंध की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। शीघ्र ही इनके कार्यादेश भी जारी कर मरम्मत के काम शुरू किए जाएंगे।

नए कार्यों में अधिग्रहण प्रक्रिया जल्द पूरा करें

राज्य में निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्गों की प्रगति की भी समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कार्यों के प्राक्कलन, निविदा, कार्यादेश और कार्य प्रारंभ की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत राष्ट्रीय राजमार्गों के अर्थ वर्क आगामी जनवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि अधिग्रहण की जरूरत वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के नए कार्यों में अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द पूर्ण करने कलेक्टरों के साथ समन्वय से काम करने को कहा। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने चिन्हांकित ब्लैक-स्पॉट्स को सुधारने के लिए प्राथमिकता से काम करने के निर्देश दिए।

आम सूचना

(मौजा- रायपुरा, प.ह.नं. 57, जिला रायपुर छ.ग. स्थित भूमि एवं उसपर निर्मित मकान के संबंध में)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार नें माधवराव सप्रे वार्ड, वार्ड क्रमांक-69, मौजा रायपुरा, प.ह.नं. 57, रा.नि.मं. रायपुर-1 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित आवासीय परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 628/23 का भाग क्षेत्रफल 875 वर्गफुट एवं उसके भूतल व प्रथम तल पर निर्मित मकान जो कि श्री अनुप सिंह ठाकुर पिता स्व. पदुम सिंह ठाकुर निवासी-आदर्श नगर, कुशालपुर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य का है को उनसे क्रय करने का सौदा तय कर चुके है। अब केवल सौदे की शेष राशि अदा कर विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन कराया जाना शेष है।

अतः उपरोक्त संव्यवहार या उसके किसी भाग के स्वामित्व, आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, निकाय, बोर्ड या निगम, प्राधिकरण, साहूकार, शासन एवं प्रशासन आदि को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन तिथि से 07 (सात) दिनों के भीतर अपनी लिखित आपत्ति सुसंगत दस्तावेजों सहित मेरे समक्ष नीचे लिखे पते पर प्रस्तुत करें, अन्यथा समयावधि उपरांत उक्त संपत्ति का पंजीयन मेरे पक्षकार द्वारा करवा लिया जावेगा, तत्पश्चात प्राप्त कोई भी आपत्ति या दावा झूठा एवं नाजायज माना जावेगा तथा वह मेरे पक्षकार पर बंधनकारी वो बाध्यकारी नहीं होगा। सो सूचना जाने।

स्थान : रायपुर (छ.ग.) दिनांक : 12/11/2025

भवदीय,
हेमन्त डहरवाल, अधिवक्ता
शॉप नं.2-3, प्रथम तल, बाबजी कॉम्प्लेक्स, श्याम टाकिज रोड, बुढ़ापारा, रायपुर छ.ग.
मो. नं. - 9993952220

न्यायालय भाड़ा नियंत्रक रायपुर, छत्तीसगढ़
// समाचार पत्र में ईश्तहार प्रकाशन //

प्रकरण क्र. 01-90 (6) वर्ष 2024-25

श्रीमती प्राची पारूलकर जगदीश वि. कुमार शीला मागरिट बुशी

क्रमांक / क्यू. / आर.सी.ए./2025 रायपुर, दिनांक 29/10/2028

प्रति,

कुमारी शीला मागरिट बुशी पिता जॉन एडविन बुशी, पता- डी. डब्लू 36- इंद्रप्रस्थ, तह. व जिला रायपुर (छ.ग.)

विषयः- प्रकरण में पक्ष समर्थन हेतु न्यायालय में उपस्थित होने बाबत।

न्यायालय भाड़ा नियंत्रण के प्रकरण क्र. 01-90(6) वर्ष 2024-25 में आवेदिका श्रीमती प्राची पारूलकर जगदीश पति जगदीश कुमार पारूलकर पता-वालफोर्ट सिटी भाटागांव रायपुर के द्वारा आपके विरूद्ध छ.ग. भाड़ा नियंत्रण अधिनियम 2011 की धारा 12 (2) अनुसूची 2 के स.क्र. 11(ज) के अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत करते हुए आवेदिका के स्वामित्व एवं आधिपत्य की डी.डब्लू 36 इंद्रप्रस्थ रायपुरा तह. व जिला रायपुर स्थित मकान को आपके द्वारा किराये पर लिया गया था। उक्त वादग्रस्त मकान को किराये पर लिये जाने के पश्चात आपके द्वारा किराया राशि अदा नहीं किये जाने से वादग्रस्त मकान के रिक्त आधिपत्य एवं बकाया किराया राशि की मांग हेतु न्यायालय भाड़ा नियंत्रण रायपुर में आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जो दिनांक 26.11.2025 को सुनवाई हेतु नियत है। अतएव आप प्रकरण में नियत सुनवाई दिनांक 26.11.2025 को स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय भाड़ा नियंत्रण कक्ष क्र. 11 में दोपहर 3 बजे उपस्थित होकर अपने समर्थन में अपना पक्ष रखें। अन्यथा प्रकरण में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 29/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

भाड़ा नियंत्रक
रायपुर (छ.ग.)

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 8246 दिनांक 25.09.2012 के द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- एम.आई.जी.- । फ्लैट- 08/206 को श्री धीरज मिश्रा पिता श्री हरिशरणानंद मिश्रा के नाम स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय से दिनांक 19.06.2015 को लीजडीड (रजिस्ट्री) का निष्पादन करा लिया गया है। वर्तमान में श्री धीरज मिश्रा पिता श्री हरिशरणानंद मिश्रा, निवासीः- एम.आई.जी.-। फ्लैट- 08/201, सेक्टर-29, नवा रायपुर अटल नगर, जिला- रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री पुरूषोत्तम पिता श्री बिहारी लाल, निवासीः- ओरमा, बालोद, जिला- बालोद (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में स्थित प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- एम. आई.जी.-। फ्लैट- 08/206 के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्ध्दशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

आम सूचना

वाके मौजा ग्राम - शंकर नगर, प.ह. नं. 00063, रा. नि. मं. रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में अनुपम गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, रायपुर (छ.ग.) के नॉर्थ सिटी आवासीय योजना के अंतर्गत परिवर्तित आवासीय भूखण्ड क्रमांक डी-ए खसरा नंबर 170/3 रकबा 0.0095 हेक्टेयर याने कि 1050 वर्गफुट अर्थात 97.58 वर्गमीटर भूमि के संबंध में

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार ने विक्रेता श्री शैकी छाबड़ा पिता श्री हरमिंदर सिंह छाबड़ा पता-307(1) सुंदरगंज वार्ड धमतरी (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की अनुपम गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, रायपुर (छ.ग.) के नॉर्थ सिटी आवासीय योजना के अंतर्गत परिवर्तित आवासीय भूखण्ड क्रमांक डी-ए खसरा नंबर 170/3 रकबा 0.0095 हेक्टेयर याने कि 1050 वर्गफुट अर्थात 97.58 वर्गमीटर भूमि जो कि वाके मौजा ग्राम-शंकर नगर, प.ह.नं. 00063, रा.नि.मं. रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में नगर निगम सीमा के अंतर्गत वॉर्ड क्र. 27 डॉ. भीमराव अम्बेडकर वॉर्ड परिसीमन उपरांत वार्ड क्र. 10 रानी लक्ष्मी बाई वार्ड की कंडिका क्रं. 5 वी.वी. विहार से बलौदा बाजार मिलान बिन्दु तक में मुख्य मार्ग से लगभग 1/2 कि.मी. अंदर की ओर स्थित है को खरीदने का पक्का सौदा कर लिया है तथा जिसका पंजीयन किया जाना शेष है।

उपरोक्त वर्णित संव्यवहार के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, सोसायटी, बैंक, शासकीय अर्धशासकीय निकाय, महाजन अथवा किसी पारिवारिक सदस्य या अन्य को किसी भी प्रकार से कोई आपत्ति या उजर, दावा हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि से 7 दिनों के भीतर हमारे कार्यालय में मय दस्तावेज प्रत्यक्ष रूप से अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर पावती लेवे। समयावधि पश्चात की गई किसी भी प्रकार की आपत्ति या उजर हमारे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी तथा इसके समक्ष शून्य व अवैध समझी जावेगी तथा हमारे पक्षकार के पक्ष में बैनामा पंजीयन का निष्पादन करा लिया जावेगा।

रायपुर (छ.ग.) दिनांक : 12/11/2025

एच.डी. सुदरानी, कौशलेन्द्र, तिवारी अनंत तिवारी
(अधिवक्तागण)
लिबर्टी जम्बो फोटोकापी सेंटर कचहरी चौक, रायपुर (छ.ग.) मोबाईल नंबर - 98261-81154

खबर संक्षेप

मिनीमाता कन्या आश्रम के लिए 15 लाख मंजूर

अभनपुर। सतनामी समाज की मांग पर विधायक इंद्र कुमार साहू ने अनुसूचित जाति मिनीमाता कन्या आश्रम, बड़े उरला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 15 लाख रुपए की राशि विधायक निधि से स्वीकृत की है। इस अवसर पर अभनपुर सतनामी समाज प्रतिनिधि मंडल ने विधायक श्री साहू के कार्यालय पहुंचकर उनका आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधि मंडल ने विधायक साहू से आग्रह किया कि आगामी 13 दिसंबर को अभनपुर में आयोजित वार्षिक सतनामी समाज शोभायात्रा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाए। बैठक में प्रमुख रूप से संस्था प्रमुख पन्नालाल नवरंगे, अभनपुर परिक्षेत्र सतनामी समाज अध्यक्ष्ज्ञ राधाकृष्ण टंडन, नगर पालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे,पार्षद नीलकमल गिलहरे, टिकेंद्र बघेल, मुकेश ढीढी, , आकाश नौरंगे सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

मेहरसखा में सामुदायिक भवन के लिए भूमिपूजन

धरसीवां/सिलयारी। धरसींवा विधानसभा के ग्राम मेहरसखा (मनोहरा) में 10 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन निर्माण का विधायक अनुज शर्मा भुमिपूजन किया। इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन भाजपा सरकार के नेतृत्व में हर व्यक्ति और हर वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है जनहित की योजनाएं अब जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन रही हैं। हमारे क्षेत्र के कई विकास कार्य पूर्ण हो चुके हैं वहीं कई विकास कार्य प्रगति पर हैं, जिसमें पूर्ण पारदर्शिता और गुणवत्ता का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। इस भवन के निर्माण से ग्रामवासियों को सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक अनेक आयोजन करने में सहूलियत होगी।

टोहड़ा स्कूल के बच्चों ने कियाव दे मातरम का समूहिक गायन

तिल्दा नेवरा। तिल्दा के समीपस्थ ग्राम पंचायत टोहड़ा के शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला स्कूल में पार्षद रानी सौरभ जैन ने भेंट मुलाकात कर वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूर्व होने पर कार्यक्रम में उपस्थित हुए। कार्यक्रम में तिल्दा वार्ड क्रमांक 21 की पार्षद रानी सौरभ जैन, वरिष्ठ भाजपा नेता नरेंद्र शर्मा अमरजीत पासवान, भाजपा के तिल्दा शहर मंडल के उपाध्यक्ष सौरभ जैन गांव के सरपंच एवं तिल्दा ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष नरसिंह वर्मा सहित गणमान्य जन उपस्थित हुए। रानी जैन द्वारा अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी एवं बताया कि वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के निर्देशानुसार 4 चरणों में साल भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी के द्वारा सामूहिक रूप से वंदे मातरम गीत का गायन भी किया गया। साथ ही उन्होंने विद्यालय के बच्चों को चॉकलेट एवं पेंसिल का वितरण भी किया । वहीं रानी सौरभ जैन एवं अतिथियों द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला टोहड़ा विद्यालय में मध्यान्ह भोजन भी ग्रहण किया गया। इस अवसर पर समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं ने उनका आभार व्यक्त किया।

मढ़ी संयंत्र के प्रदूषण से फसलें चौपट, मुआवजे की मांग, किसान हैं परेशान

पीड़ित किसान कलेक्टर और पर्यावरण विभाग से शिकायत की तैयारी में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

मढ़ी के पास संचालित कंपनी की मनमानी और अड़ियल रवैए से दर्जनों गांवों के किसान हलाकान है। इस कारखाने की धूल-डस्ट और धुएं से फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है।

जहरीले धूल के कण धान की खड़ी फसलों को बूरी तरह नष्ट कर दिया है। अब बर्बादी का मंजर देख किसानों का खून खौल रहा है। कंपनी के जहरीले धूल डस्ट से नष्ट हुई इन फसलों को न तो सोसाइटी खरीदी और न ही यह खाने लायक बचा है। गुस्साए किसान कलेक्टर और पर्यावरण विभाग में शिकायत करने की तैयारी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, दिन-रात जहरीले काले धुआं उगल रहे कारखाने से किसानों में भारी आक्रोश है। पड़ताल के दौरान पता चला कि, खेत में लगी फसल बंजर जमीन जैसा दिख रहा है। खेतों में लगी धान की फसल काले पड़ गए हैं। दरअसल, कंपनी के डस्ट से धान की फसल पूरी बर्बादी हो गई है। इंसान तो क्या यह जानवरों के भी खाने लायक नहीं बचा है। इन फसलों का जो हाल-बेहाल हुआ है वह कोई कुदरती कहर का परिणाम नहीं बल्कि कंपनी के दबंगई का नतीजा है। धरती के भगवान कहे जाने वाले किसान फसलों की हालत देख खून के आँसू रो रहे हैं।

उपज की क्वालिटी घटिया होगी

मढ़ी के पीड़ति किसान फगुवा राम साहू का कहना है कि, पिछले दो सालों से इस कंपनी से परेशान हूँ। पिछले बार कम नुकसान हुआ था। इस बार फसल पूरी तरह बर्बाद हो गया है। कलेक्टर, तहसीलदार को आकर देखना चाहिए कि यहां किसान किस तरह संयंत्रों से परेशान हैं। संदीप साहू का कहना है कि, खेत से डस्ट का पूरा लेयर ही निकल रहा है। प्रशासन को चाहिए कि आकर मुआयना करें और किसानों को तत्काल मुआवजा दे। यहां धान रद्दी जैसा पड़ा हुआ है। रूपेन्द्र मंडावी ने बताया कि, पिछले साल धान सोसाइटी में जाने के बाद भी वापस कर दिया गया था। कंपनी वाले सिर्फ़ आश्वासन देते हैं मगर कुछ भी वादा नहीं निभाते। कई बार बोले हैं लेकिन कंपनी ये सब सिर्फ़ मजाक ही समझता है। खेतों के चारों ओर सिर्फ़ काला धूल ही दिखाई दे रहा है। धान की बालियां काली पड़ गई है। लिहाजा इसे सोसाइटी खरीदने को तैयार नहीं होगा। समस्या है अब किसान इसको क्या करेगा। क्योंकि यह खाने के लायक भी नहीं बच पाया है। पौधों को छूने भर से ही काले धूल का गुबार उड़ रहा है। जमीन पर भी डस्ट की परतें जमी हुई है। मिट्टी का नामोनिशान नहीं है। भला किसान इसमें खेती करेगा भी तो कैसे करेगा। इधर, कंपनी दिन-रात डस्ट, राखड़ को खेतों में ही गिरा दे रहे हैं।

पंचायत मंत्री और कलेक्टर को ग्रामीणों ने हस्ताक्षर ज्ञापन सौंप कर की शिकायत

सिवनी के पूर्व सरपंच धीवर पर घोटाले का आरोप, जांच के लिए नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंदखुरी

ग्राम पंचायत सिवनी में पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम धीवर और उनके भाइयों पर आर्थिक अनियमितता, ग्रामीणों को धमकाने और सरकारी योजनाओं में करोड़ों रुपये के घोटाले के गंभीर आरोप लगे हैं। उनकी पत्नी श्रीमती रेवती धीवर के हाल के पंचायत चुनाव में हार के बाद ग्रामीणों ने उनके खिलाफ 212 ग्रामीणों ने लिखित हस्ताक्षर करके पंचायत मंत्री कलेक्टर रायपुर संचालक पंचायत सचनालय लोकायुक्त रायपुर में शिकायतों का सिलसिला शुरू किया, जिसके चलते जनपद पंचायत आरंग ने जांच के आदेश दिए हैं।

ग्रामीणों के गंभीर आरोप : ग्रामीणों का आरोप है कि पुरुषोत्तम धीवर ने अपने 5 वर्षीय कार्यकाल को "मेवा अवधि" में बदलकर ग्राम विकास के नाम पर करोड़ों रुपये का दुरुपयोग किया। शिकायत में 6 प्रमुख बिंदुओं के तहत अनियमितताओं का खुलासा किया गया है, जिनमें अवैध जमीन सौदे, तालाबों के गहरीकरण और पीचिंग में घोटाले, बिना अनुमति पेड़ काटना, और अधूरे कार्य शामिल हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि धीवर ने वर्तमान सरपंच, उपसरपंच और पंचों को 1 वर्ष में पदमुक्त करने की धमकी भी दी।आरोपों का विस्तृत ब्यौरा अवैध जमीन सौदाः पूर्व सरपंच पर आरोप है कि उन्होंने पिपरहट्टा की ओर किसान की जमीन पर आलिसान सोलर प्राइवेट लिमिटेड के कारखाने के लिए फर्जी NOC के नाम पर रुपये लिए। साथ ही, खसरा नंबर 26 की 8.37 एकड़ चारागाह जमीन में से 1 एकड़ को कारखाने को सस्ते दामों में बेच दिया।

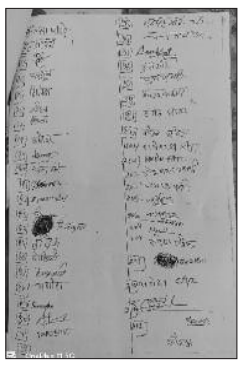

रामसागर तालाब घोटालाः

27 एकड़ के इस तालाब के लिए 1.46 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए, लेकिन केवल अधूरी पीचिंग हुई। आरोप है कि बिना अनुमति 1 इमली और 406 छिंद के पेड़ काटे गए। ग्रामीणों ने प्रशासन से इसकी जांच की मांग की है। नल-जल आपूर्ति में हेराफेरीः 7.45 लाख और 1.56 करोड़ की दो योजनाओं के तहत केवल पानी की टंकी बनाई गई, जबकि पुरानी छोटी पाइपलाइन को ही जोड़ा गया। ग्रामीणों ने इसे करोड़ों रुपये का घोटाला करार दिया। बौली तालाब में अनियमितताः 19.10 लाख की योजना में 203 छिंद पेड़ बिना अनुमति काटे गए और गहरीकरण की मिट्टी को खाद के नाम पर बेचा गया। पीचिंग का कार्य भी आधा-अधूरा है। नईया और मनपसरा तालाबः इन तालाबों के किनारे 1 गसती, 7 बबूल और 569 छिंद पेड़ काटकर बेचे गए। मजदूरों को रोजगार गारंटी योजना के तहत काम पर लगाया गया। राम मंदिर फेसिंग और गार्डनः 10 लाख रुपये की स्वीकृत राशि में केवल फाउंडेशन तैयार हुआ, न वृक्षारोपण हुआ और न ही फेसिंग। कार्य रोजगार गारंटी के मजदूरों से कराया गया।

जांच के लिए नोटिस जारी

जनपद पंचायत आरंग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक जांच दल गठित किया है। यह दल 19 नवंबर 2025 को दोपहर 12 बजे ग्राम पंचायत भवन सिवनी में जांच करेगा। पूर्व सरपंच पुरुषोत्तम धीवर को सभी दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का नोटिस जारी किया गया है। मुख्य जांच अधिकारी ने सभी पक्षों से समय पर उपस्थिति की अपील की है।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने इस जांच को ग्राम पंचायत में पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए महत्वपूर्ण बताया है। उनका कहना है कि पुरुषोत्तम धीवर और उनके भाई दिलीप धीवर ने केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं में धांधली कर करोड़ों रुपये हड़पे। ग्रामीणों ने अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की मांग की है। प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार इस मामले ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। ग्रामीणों की नजर अब 19 नवंबर की जांच पर टिकी है, जिसके परिणाम सिवनी पंचायत के भविष्य और प्रशासनिक विश्वसनीयता को प्रभावित करेंगे।

बीईओ शर्मा ने किया प्राशा का आकस्मिक निरीक्षण

आरंग। विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा ने क्षेत्र की दो प्राथमिक शालाओं मुनरेठी एवं सोनपैरी का अचानक निरीक्षण कर शिक्षा की गुणवत्ता का जायजा लिया। उनका मुख्य ध्यान बच्चों में भाषा और गणित कौशल के विकास पर केंद्रित रहा, जो 'निपुण भारत मिशन' के तहत मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान के लिए महत्वपूर्ण है। निरीक्षण के दौरान, बीईओ शर्मा ने स्वयं कक्षाओं में जाकर बच्चों से संवाद किया और उनके सीखने के स्तर को परखा। उन्होंने बच्चों को रोचक तरीके से गणित पढ़ाया, जिससे बच्चों में विषय के प्रति रुचि जागी। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे केवल पाठ्यक्रम पूरा करने पर ही नहीं, बल्कि बच्चों के आधारभूत कौशल को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करें।अधिकारी शर्मा ने कहा कि /"बच्चों में भाषा और गणित की नींव जितनी मजबूत होगी, उनकी आगे की शिक्षा उतनी ही आसान होगी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हर बच्चा बुनियादी कौशल में निपुण हो।/" निरीक्षण के बाद, बीईओ शर्मा ने शिक्षकों को 'एफएलएन मेला' आयोजित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। यह मेला मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है, बीईओ शर्मा ने जोर दिया कि ये मेले बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और शिक्षकों को इसे भव्य और प्रभावी बनाने के लिए पूरी तैयारी करनी चाहिए।

पेज 09 के शेष...

नया रायपुर की चकाचक ...

नहीं है। खेत-खलिहान में कच्चा होने की वजह से वहां धान सुखाने में परेशानी हो रही है, पर पक्की व साफ सुथरी सड़क पर धान की ढेरी बिखेरकर उसे धूप में सूखाने लोग यहां रोज पहुंचते हैं। सुबह से लेकर देर शाम तक उनका समय यहीं बीत रहा है। मजे की बात ये है कि वे अपने सालभर की मेहनत की निगरानी यहीं सड़क किनारे तंबू तानकर कर रहे हैं। जगह भी पर्याप्त और सूर्य का प्रकाश भरपूर मिल रहा है, इसे देखते हुए धान सुखाना ज्यादा सुरक्षित है।

तोमर सूदखोरी, एक्सटार्सन और...

वीरेंद्र तोमर पूछताछ में पुलिस को कोई विशेष मदद नहीं कर रहा। वीरेंद्र से रोहित के बारे में जानकारी जुटाने पुलिस ने पूछताछ की, तो उसने पुलिस को केवल इतनी ही जानकारी दी है कि दो माह से उसका उसके भाई के साथ किसी तरह से संपर्क नहीं हो पाया है। इस कारण उसने रोहित के बारे में पुलिस को कोई भी जानकारी दे पाने की बात से इनकार किया। सूदखोरी से अर्जित संपत्ति को विरेंद्र अपनी मेहनत की कमाई साबित करने पुलिस के सामने कई मनढ़ंत स्टोरी बता रहा है।

31 दिसंबर तक 24 घंटे मिलेगा...

वहीं 2700 उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने अभी तक 24 घंटे जल आपूर्ति के लिए नए कनेक्शन लेने रुचि नहीं ली है। उन्हें रायपुर स्मार्ट सिटी ने 15 नवंबर तक संबंधित जोन कार्यालय में आवेदन देने का समय दिया है। इस अवधि में आवेदन करने पर उन्हें निःशुल्क नया कनेक्शन इस योजना के तहत दिया जाएगा। 15 नवंबर के बाद कनेक्शन के लिए आवेदन पर निर्धारित शुल्क लेकर ही नया कनेक्शन इस योजना का फायदा उठाने दिया जा सकेगा। प्रोजेक्टस से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक जिन उपभोक्ताओं ने 24 घंटे जल आपूर्ति के लिए कनेक्शन लेने आवेदन नहीं किया है, उनमें सदरबाजार, गोलबाजार, रवि भवन, मालवीय रोड, स्टेशन रोड और मौदहापारा के इलाके शामिल हैं।

5 साल तक देखरेख व संचालन की शर्त

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड से अनुबंधित कोल्हापुर की लक्ष्मी सिविल इंजीनियर कार्पोरेशन एजेंसी इस प्रोजेक्ट में 5 साल तक प्रोजेक्ट की देखरेख व संचालन अपने खर्च कर पर करेगी। गंज पानी टंकी और मोतीबाग की नई पानी टंकी को कमांड एरिया बनाकर पानी की खपत जांचने स्वचालित वाटर मीटर लगाए गए हैं। 24 घंटे पानी की आपूर्ति की इस योजना के लिए नगर निगम को 17 एमएलडी अतिरिक्त पानी की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने पहले ही नगर निगम के फिल्टर प्लांट को पत्र लिखकर अवगत करा दिया है। इसमें मोतीबाग की नई पानी टंकी से 10 एमएलडी और गंज पानी टंकी से रोजाना 7 एमएलडी अतिरिक्त जल आपूर्ति की मांग की गई है।

बिरनपुर हिंसा केस में आज होगी सीबीआई की...

सांप्रदायिक तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। पुलिस ने घटना के बाद 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। राज्य में भाजपा सरकार के गठन के बाद मामले की जांच सीबीआई के सुपुर्द किया गया। पिछले दिनों सीबीआई ने स्पेशल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इस हिंसा में साजा विधायक ईश्वर साहू (बाद में विधायक बने) के बेटे भुनेश्वर साहू की मौत हुई थी। सीबीआई ने हिंसा में 18 आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की थी। 12 आरोपी जेल में बंद हैं।

स्वास्थ्य, शिक्षा व नशामुक्ति विषय विद्यालय में की चर्चा

अभनपुर। श्रीराम शर्मा (मिंटू) हायर सेकेंडरी स्कूल डुमरतराई में स्वास्थ्य, शिक्षा और नशा मुक्ति विषय पर एक प्रेरणादायी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभनपुर के प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं लेखक डा. चंद्रकांत रामचंद्र वाघ रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों से स्वास्थ्य शिक्षा, नशे से दूरी और मानसिक संतुलन पर सारगर्भित चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने डॉ. वाघ से परीक्षा के समय मानसिक तनाव और एकाग्रता बढ़ाने के उपायों से संबंधित सवाल पूछे, जिनका उन्होंने सरल और वैज्ञानिक तरीके से समाधान बताया। विद्यार्थियों ने पढ़ाई को प्रभावी ढंग से करने के लिए उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री त्रिवेदी ने डॉ. वाघ का स्वागत पौधा भेंट कर किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ व्याख्याता लक्ष्मीकांत साहू ने किया, जबकि श्रीमति मलिका मुखर्जी ने अतिथि का आभार व्यक्त किया।

नल कनेक्शन कटाने की कार्रवाई जारी

आरंग। नगर पालिका आरंग द्वारा नल कनेक्शन के बड़े बकायादारों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। विगत कुछ दिनों से बिल, नोटिस और मुनादी के माध्यम से सूचना देने के बावजूद जिन उपभोक्ताओं ने नल का बकाया बिल जमा नहीं किया है, उनके नल कनेक्शन विच्छेद किए जा रहे हैं। बुधवार को नगर पालिका की टीम ने वार्ड क्रमांक 6 से कार्रवाई की शुरुआत करते हुए 5 स्थानों पर नल विच्छेद किए। नगर पालिका प्रशासन ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और शहर के अन्य वार्डों में भी बकायेदारों के विरुद्ध इसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी।

धान खरीदी पर सरकार की उदासीनता, किसानों के साथ छलावा : धनेन्द्र साहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ किसान नेता धनेन्द्र साहू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राज्य शासन पर धान खरीदी को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार का रवैया यह दर्शाता है कि वह किसानों से धान खरीदने की इच्छुक ही नहीं है। साहू ने कहा कि प्रदेश के सभी धान खरीदी केंद्रों में तैयारी के नाम पर शून्यता है। न कहीं साफ-सफाई हुई है, न बिजली की समुचित व्यवस्था है, न बारदाना और न ही कांटे की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सभी धान खरीदी केंद्रों के दरवाजों पर आज भी ताले लटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष धान खरीदी से पहले किसानों को ऑनलाइन टोकन जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाती थी, लेकिन इस वर्ष अब तक टोकन जारी करने वाला पोर्टल ही बंद है। वहीं, लाखों किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन बार-बार तारीख बढ़ाने के बावजूद अधूरा है, जिससे किसान बेहद परेशान हैं। शासन के निर्णय अनुसार 15 नवम्बर से धान खरीदी प्रारंभ होनी है, किंतु आज तक प्रदेश के किसी भी जिले में खरीदी की कोई तैयारी नहीं हुई है। दूसरी ओर खेतों में कटाई-मिजाई जोरों पर चल रही है, किसान के घरों और कोठारों में रखने की जगह नहीं बची है। दवाई और खाद की उधारी चुकाने के लिए कई किसान मजबूरन अपने धान को कोचियों और राइस मिलों को औने-पौने दामों में बेचने को विवश हैं। इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए किसान अभी काफी चिंतित हैं की सरकार धान खरीदी की व्यवस्था कब तक कर पाएगी धनेंद्र साहू ने कहा कि यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और किसानों के साथ स्पष्ट छलावा है। उन्होंने शासन से मांग की है कि जिन किसानों का पंजीयन अब तक नहीं हुआ है, उनकी पंजीयन अवधि बढ़ाकर शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित किया जाए तथा धान खरीदी के लिए पोर्टल तत्काल चालू किया जाए। प्रदेश के सभी खरीदी केंद्रों में तैयारियां पूर्ण कर घोषणानुसार 15 नवंबर से समय पर धान खरीदी प्रारंभ की जाए। अंत में साहू ने कहा कि किसानों के धान खरीदी के प्रति शासन की इस उदासीनता और कुप्रबंधन से ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रदेश में शासन का अस्तित्व ही समाप्त हो गया है।

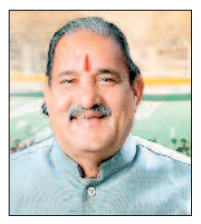

मंत्री खुशवंत साहेब, विधायक इंद्र कुमार साहू और विधायक रोहित साहू शामिल हुए

समोदा साहू समाज के पदाधिकारियों ने समाज की उन्नति एवं सेवा की ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

मंगलवार को साहू समाज समोदा परिक्षेत्र के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। जिला साहू संघ रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष देवनाथ साहू ने सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस शपथ ग्रहण समारोह में डॉ. परसराम साहू ने अध्यक्ष पद, आशीष साहू एवं अनुसुइया साहू ने उपाध्यक्ष पद, ललित साहू ने संगठन सचिव तथा यामिनी टिकेश्वर साहू ने संयुक्त सचिव पद की शपथ ली। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, प्रमुख अतिथि के रूप में अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू, राजिम विधायक रोहित साहू भी शामिल हुए। साथ ही नगर पंचायत समोदा के अध्यक्ष छोटेलाल सोनकर, जिला साहू संघ रायपुर ग्रामीण के न्याय प्रकोष्ठ डॉ दुजेराम साहू, आरंग तहसील साहू संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष फागूलाल साहू, आरंग तहसील साहू संघ अध्यक्ष सोहनलाल साहू, तहसील साहू संघ आरंग के महामंत्री नंदकुमार साहू, आरंग जनपद अध्यक्ष टाकेश्वरी मुरली साहू शामिल हुए। सभी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

नारियल के साथ प्रशस्ति पत्र सौंपाः अध्यक्ष परसराम ने साहू समाज समोदा महानदी परिक्षेत्र के सभी ग्रामीण पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और नारियल के साथ प्रशस्ति पत्र सौंपा। शपथ ग्रहण के बाद डॉ. परसराम साहू ने कहा कि समाज के सभी सदस्यों के सहयोग और आशीर्वाद से उन्हें दूसरी बार अध्यक्ष बनने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि समाज की एकता, सहयोग और सेवा भावना के साथ मिलकर वे संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को नवीन दायित्व के लिए बधाई दी। मंत्री ने कहा कि, समाज का यह दायित्व आप सभी के ऊपर एक बड़ी जिम्मेदारी है, इसे एकता, सहयोग और सेवा भावना से निभाते हुए समाज को नई ऊंचाइयों तक आप सभी पहुंचाएं यही शुभकामनाएं हैं। आप सभी के कुशल नेतृत्व में समाज सशक्त, आत्मनिर्भर एवं प्रगतिशील बनेगा।

आहाता और सामुदायिक शौचालय निर्माण की घोषणा

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने अध्यक्ष की मांग पर मां कर्मा मंदिर प्रांगण में आहाता निर्माण और सामुदायिक शौचालय बनाने की घोषणा की है। समारोह में समाज के वरिष्ठजन भाजपा समोदा मंडल अध्यक्ष देवकुमार (भीम) साहू, ललित कुमार साहू, अध्यक्ष तहसील साहू संघ महासमुन्द, मनीराम साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ तिल्दा, हीरामन साहू, पूर्व अध्यक्ष-तहसील साहू संघ आरंग परमानंद साहू, अध्यक्ष साहू समाज सेरीखेड़ी परिक्षेत्र, थानसिंग साहू, अध्यक्ष साहू समाज रीवां परिक्षेत्र, बलदाऊ साहू, अध्यक्ष-साहू समाज तामासिवनी परिक्षेत्र, अविनाश साहू, अध्यक्ष नगर साहू समाज आरंग, गोविन्द साहू, अध्यक्ष साहू समाज भानसोज परिक्षेत्र, पुरूषोत्तम साहू, अध्यक्ष साहू समाज नरदहा परिक्षेत्र, नारायण प्रसाद साहू, अध्यक्ष साहू समाज कोरासी परिक्षेत्र, पत्रकार जागेश साहू, राजेश साहू, पार्षद नगर पंचायत समोदा (कागदेही), डोमन लाल साहू, पार्षद-नगर पंचायत समोदा (हरदीडीह), चेतनलाल साहू, पार्षद-नगर पंचायत समोदा (कुसमुंद), देवेन्द्र साहू, पार्षद नगर पंचायत समोदा, भीषम साहू, पार्षद नगर पंचायत समोदा, वैशालनी ईश्वर साहू, पार्षद नगर पंचायत समोदा (कुसमुंद), गोमती शोभा साहू, पार्षद नगर पंचायत समोदा, दिनेश्वरी लेखराम साहू, पार्षद नगर पंचायत समोदा, दीपा जगदीश साहू, पार्षद नगर पंचायत समोदा (कागदेही) मौजूद रहे। सभी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

धान खरीदी 15 से, समितियों में अभी तक बारदाना नहीं पहुंचा

तिल्दा नेवरा। किसान नेता एवं छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज तिल्दा राज प्रधान ठाकुर राम वर्मा ने कहा कि एक तरफ किसान बारिश के नाम से परेशान हुए उनके बाद कीट प्रकोप से परेशान हुए और अब किसानों को तीसरी मार के रूप में धान खरीदी की तिथि को 1 नवंबर से बढ़ाकर अब 15 नवंबर किया गया है, जिसके चलते किसान बहुत ज्यादा हलाकान और परेशान हो गए है। उन्होंने यह भी कहा कि कई सोसायटियों धान खरीदी केन्द्रों में अभी तक बारदाना भी नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि पहले धान खरीदी के एक सप्ताह पहले से धान खरीदी का ऑनलाइन टोकन कटना प्रारंभ हो जाता था मगर आज पर्यंत तक किसान टोकन भी नहीं कटवा पा रहे हैं, टोकन कटवाने भी उन्हें चक्कर काटना पड़ रहा है। साथ ही वर्तमान में सरकारी समिति के कर्मचारी हड़ताल पर बैठे हुए हैं जिससे किसानों की चिंता और ज्यादा बढ़ गई है। किसान नेता ठाकुर राम वर्मा ने शासन एवं प्रशासन से मांग की है कि तत्काल ऑनलाइन टोकन प्रारंभ कर धान खरीदी किया जाए जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो, और किसान अपनी फसल को आसानी से बेच सके।

खबर संक्षेप

किसानों के लिए तुहर टोकन मोबाइल एप शुरू

रायपुर। किसानों को धान बेचने के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 'तुहर टोकन मोबाइल एप' प्रारंभ किया गया है। इस एप के माध्यम से किसानों को घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन की व्यवस्था उपलब्ध होगी, जिससे समितियों में लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी। यह मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इस ऐप में किसानों को सर्वप्रथम आधार आधारित ओटीपी के माध्यम से पंजीयन करना होगा। किसान प्रतिदिन सुबह 8.00 बजे से इस ऐप के माध्यम से टोकन के लिए आवेदन कर सकेंगे। खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने जानकारी दी कि धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुविधा को ध्यान में रखते हुए सीमांत कृषक (2 एकड़ या 2 एकड़ से कम भूमि) को अधिकतम 1 टोकन, लघु कृषक (2 से 10 एकड़ तक) को अधिकतम 2 टोकन तथा दीर्घ कृषक (10 एकड़ से अधिक) को अधिकतम 3 टोकन प्रदान किये जायेंगे।

निधन

मनोरमा पांडेय

रायपुर। प्रगति टॉवर, विद्यानगर बिलासपुर निवासी समाजसेवी मनोरमा पांडेय (85) का 12 नवंबर को निधन हो गया।

उनकी अंतिम यात्रा 13 नवंबर को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से सरकंडा मुक्तिधाम में के लिए निकलेगी। वे आलोक रंजन, अनूप रंजन एवं अमित रंजन पांडेय तथा प्रतिभा शर्मा, प्रो. सुषमा तिवारी, प्रो. पूर्णिमा शुक्ला और नमिता शर्मा की माता थीं।

रामबाई साहू

रायपुर। रायपुर निवासी रामबाई साहू का 12 नवंबर को निधन हो गया।

वे पुनाराम साहू की पत्नी और राममुरारी साहू, बोगस साहू और पवनेश्वर साहू की माता थीं।

सरस्वती अवस्थी

रायपुर। नंदी चौक टिकरापारा निवासी सरस्वती अवस्थी (87) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशान में किया गया। वे अरुण अवस्थी एवं अजय अवस्थी 'किरण' की माता थीं।

शाह जफर खान

रायपुर। श्रीराम नगर रेल्वे क्रॉसिंग निवासी रिटायर्ड खाद्य अधिकारी शाह जफर का इंतेकाल हो गया। उन्हें 12 नवंबर को मौदहापारा कब्रिस्तान में सुपुर्दे-ए-खाक किया गया। वे मोहम्मद अकबर के वालिद, जाहिद खान के ससुर, मोहम्मद फारुक के भाई और मोहम्मद इरफान, सलाम मोहम्मद बिल्लू के बहनोई थे।

केवाइसी सर्वर ने बढ़ाई परेशानी, 6 घंटे के बाद शुरू हुई रजिस्ट्री, इसलिए रात 8 बजे तक खुला रहा दफ्तर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पंजीयन विभाग की गाइड लाइन में किए गए बदलाव तथा विभाग के साफ्टवेयर को गाइडलाइन के अनुसार अपडेट किए जाने के बाद से सर्वर में बार-बार खराबी आ रही है, जिसका असर न केवल रजिस्ट्री पर पड़ रहा है, बल्कि लोग भी परेशान हो रहे हैं। राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर के पंजीयन दफ्तरों में बुधवार को सर्वर की समस्या ने लोगों को खासा परेशान किया। दफ्तर खुलने के समय से लेकर शाम 4 बजे तक केवाइसी सर्वर की समस्या बनी रही, जिसके कारण एक भी रजिस्ट्री इस दौरान नहीं हो पाई। शाम 4 बजे के बाद सर्वर आने के बाद ही रजिस्ट्री का काम दफ्तरों में शुरू हो पाया। इधर रायपुर पंजीयन विभाग के अधिकारी का कहना है कि सर्वर की समस्या हैदराबाद से थी, लेकिन सर्वर ठीक होने के बाद जितने अपॉइंटमेंट लिए गए थे, उन सभी की रजिस्ट्री करने के बाद ही दफ्तर को बंद किया गया।

सभी की रजिस्ट्री करने के बाद ही बंद किया दफ्तर

कई लोगों को बैरंग लौटना पड़ा

सर्वर की समस्या के कारण 6 घंटे काम ठप रहने के कारण प्रदेश के कई जिलों के पंजीयन कार्यालयों में अपॉइंटमेंट लेने वाले लोगों को बिना रजिस्ट्री कराए ही लौटना पड़ा। रायपुर में भी कुछ लोग बैरंग लौट गए हैं, लेकिन अफसर का कहना है कि जितने अपॉइंटमेंट दिए थे उन सभी की रजिस्ट्री की गई। शाम को सर्वर की समस्या ठीक होने के कारण कार्यालय में रात 8 बजे तक रजिस्ट्री का काम चला है, ताकि कोई नहीं लौटे।

साफ्टवेयर अपडेट होने के कारण बढ़ी परेशानी

सूत्रों का कहना है कि गाइड लाइन में बदलाव किए जाने के बाद पंजीयन विभाग के साफ्टवेयर को भी अपडेट किया गया है। साफ्टवेयर को अपडेट किए जाने के बाद से ही सर्वर में बार-बार दिक्कत आ रही है। यही कारण है कि अपॉइंटमेंट लेने के दौरान लोगों को दस्तावेजों को अपलोड करने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

6 घंटे पंजीयन दफ्तर में सर्वर आने का इंतजार करते रहे लोग : विभागीय सूत्र के अनुसार रायपुर पंजीयन कार्यालय में 60 से अधिक लोगों को रजिस्ट्री के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट दिया गया था। इन सभी को रजिस्ट्री कराने के लिए एसआर-1 से लेकर एसआर-5 में अलग-अलग समय दिया गया था। इनमें कई लोगों को सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक का भी समय मिला था। समय को ध्यान में रखते हुए लोग आधे से एक घंटे पहले ही पंजीयन कार्यालय पहुंच गए थे, लेकिन यहां आने के बाद उन्हें पता चला कि सर्वर पूरी तरह से ठप है, जिसके कारण केवाइसी का काम ही नहीं हो पा रहा है। ये लोग किसी भी समय में सर्वर ठीक होने की उम्मीद करते हुए कार्यालय परिसर में ही बैठकर इंतजार करते रहे, लेकिन यह इंतजार लोगों को तब भारी पड़ा, जब सर्वर कुछेक घंटे में नहीं, बल्कि 6 घंटे यानी शाम 4 बजे के बाद ठीक हुआ।

महापौर मीनल चौबे गुरूवार को रामकी के अधिकारियों के साथ लेंगी बैठक, समीक्षा करेंगी

शहर के आधा दर्जन प्रमुख बाजारों में जरूरी है रात्रिकालीन सफाई

डोर टू डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था लचर, शिकायतों की भरमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के आधा दर्जन प्रमुख बाजारों में रात्रिकालीन डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था नहीं है। इसके कारण शाम से लेकर देर रात दुकानों बाजारों से निकलने वाला कूड़ा सड़क और नालियों में जा रहा है। यही नहीं, बाजार की समय पर सफाई नहीं होने की शिकायत निदान 1100 से लेकर जोन दफ्तर और निगम मुख्यालय में विभागीय अधिकारियों तक पहुंची है। इनमें शास्त्रीबाजार, गोलबाजार, जवाहर मार्केट, रविभवन, मालवीय रोड, बैजनाथ का इलाका शामिल है। महापौर मीनल चौबे ने बाजार क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था की समीक्षा करने गुरूवार को रामकी के प्रतिनिधि और अधिकारी की बैठक महात्मा गांधी सदन में बुलाई है। इसमें बाजार क्षेत्रों को स्वच्छ रखने और रात्रिकालीन सफाई का मुद्दा प्रमुखता से उठेगा।

- **शास्त्री बाजार, गोलबाजार, जवाहर मार्केट, रविभवन, मालवीय रोड बैजनाथपारा इलाका शामिल**

दरअसल, रायपुर शहर की सफाई को इंदौर मॉडल पर पॉयलट प्रोजेक्ट के लाने महापौर मीनल चौबे की परिषद शहर के सफाई की जोनवार समीक्षा कर रही है। इसमें वार्ड पार्षद, निगम के अधिकारी और रामकी के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। अभी तक 8 जोन में जाकर महापौर ने 56 वार्डो की सफाई व्यवस्था की स्थिति और डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था की परख की। समीक्षा बैठक में यह बात खुलकर सामने आई कि ज्यादातर वार्डो में रामकी की डोर टू डोर कचरा कलेक्शन गाड़ी नियमित रूप से नहीं पहुंच रही है। यह बात वहां के पार्षद, स्वच्छता निरीक्षक और वार्डवासियों से मिल रहे फीडबैक में भी देखी गई। सफाई वाहनों की टाइमिंग और गलियों में गाड़ियों के नही जाने से लोग नाराज हैं। इसके अलावा सार्वजनिक स्थलों में सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

जोन 4 में ट्रांसफर स्टेशन की मांग

रामकी के प्रतिनिधि ने महापौर मीनल चौबे से नगर निगम जोन 4 क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निकलने वाले कूड़ा संग्रहण के लिए एक और ट्रांसफर स्टेशन खोलने जगह उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है बूढ़ापारा के धरना स्थल के पास बने सेकेंडरी पाइंट में आधा दर्जन से ज्यादा वार्डो से निकलने वाला गीला और सूखा कचरा गाड़ियों में भरकर लाया जा रहा है। इस लिहाज से एक और ट्रांसफर स्टेशन का होना जरूरी है।

जवाहर बाजार में केवल सुबह उठता है कचरा, बोरों में भरकर रखने की मजबूरी

नगर निगम द्वारा नवनिर्मित जवाहरबाजार में दुकानों से कचरा कलेक्शन करने केवल सुबह के समय रामकी की गाड़ी पहुंचती है। दोपहर और शाम के बाद यहां कचरा कलेक्ट करने का सिस्टम ही नहीं है। ऐसे में दुकानदार अपने दुकानों से निकलने वाले कचरा को बोरों में भरकर रखते हैं, सुबह रामकी की गाड़ी आने पर उसे दिया जाता है। बाजार की सफाई के लिए व्यापारियों ने खुद के खर्च पर सफाई कर्मचारी रखे हैं। जवाहर बाजार व्यवसायी कल्याण संघ अध्यक्ष सुभाष बजाज ने निगम प्रशासन से मांग की है कि बाजार में भीड़ को ध्यान में रखते हुए रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था शुरू कराई जाए। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए गाड़ियों के फेरे बढ़ाने की जरूरत है।

शास्त्री बाजार में शाम को नहीं उठ रहा कूड़ा, दुर्गंध और गंदगी से परेशानी

शास्त्री बाजार में सुबह से लेकर देर शाम तक ग्राहकों का आना-जाना लगा रहता है, यहां सड़ी गली सब्जियां, खराब फल को इधर-उधर डालने से इससे उठने वाली दुर्गंध से लोगों को परेशानी हो रही है। सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि कचरा उठाने वाली गाड़ी केवल सुबह यहां आती है, जबकि बाजार में भीड़ होने की वजह से शाम के समय ही दिनभर का गीला और सूखा कचरा निकाल पाते हैं। यदि रात के समय बाजार की सफाई का सिस्टम बना दिया जाए, तो इससे बाजार स्वच्छ रखने में आसानी होगी।

संभाग कमिश्नर कार्यालय नए भवन में शिफ्ट, एसपी भवन कार्यालय भी जल्द होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि की प्रकाशित खबर के एक दिन बाद ही रायपुर संभाग कमिश्नर कार्यालय नए भवन में शिफ्ट हो गया। दो दिन पहले तक 80 प्रतिशत कार्यालय ही नए भवन में शिफ्ट हो पाया था, वहीं शेष 20 प्रतिशत कार्यालय को भी अब शिफ्ट कर दिया गया है। इसी के साथ ही संभाग कमिश्नरी में होने वाली सभी कार्य के साथ कोर्ट भी अब नए भवन में लगने लगा है। इधर रायपुर संभाग कमिश्नर भवन के शिफ्ट होने के बाद पुराना भवन खाली हो गया है। इस भवन में अब एसपी कार्यालय शिफ्ट होना है। बताया जा रहा है कि इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है।

- **संभाग कमिश्नरी में होने वाली सभी कार्य के साथ कोर्ट भी अब नए भवन में लगने लगा**

नए कमिश्नर भवन के ग्राउंड फ्लोर में पार्किंग, फर्स्ट में कोर्ट

तीन मंजिला नया संभाग कमिश्नर भवन के ग्राउंड फ्लोर को पार्किंग बनाया गया है। इस भवन के सभी अधिकारी-कर्मचारियों के साथ यहां पहुंचने वाले लोग भी अपने वाहन यहां पार्क कर पाएंगे। भवन के फर्स्ट फ्लोर को दो हिस्से में बांटा गया है, जिसमें एक हिस्से में संभाग आयुक्त, उपायुक्त के कक्ष तथा कोर्ट रूम बनाए गए हैं, वहीं दूसरी हिस्से में अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी के कक्ष बनाए गए हैं। सेकेंड फ्लोर में अन्य दफ्तर शिफ्ट किए गए हैं। फर्स्ट एवं सेकेंड फ्लोर में जाने-आने के लिए सीढ़ी के साथ लिफ्ट भी लगाई गई है। इसके अलावा मीटिंग हॉल भी बना है। मीटिंग हॉल फर्स्ट फ्लोर में है।

एसपी कार्यालय के शिफ्ट होते ही कंपोजिट बिल्डिंग का शुरू होगा काम

कलेक्टोरेट परिसर में पांच मंजिला कंपोजिट बिल्डिंग का निर्माण प्रस्तावित है। इस बिल्डिंग को एसपी दफ्तर को तोड़कर बनाया जाना है। एसपी दफ्तर के खाली होते ही इसे तोड़ने का कार्य शुरू किया जाएगा। इस बिल्डिंग का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा। इसके लिए टेंडर से लेकर सारी प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है।

डिजिटल ड्रा प्रणाली से टीला-ए खदान की नीलामी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले में चिन्हांकित की गई सात नई रेत खदानों में से एक खदान की नीलामी बुधवार को कर दी गई। गोबरा नवापारा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टीला-ए रेत खदान के लिए पहली बार रिवर्स ऑक्शन से (ऑनलाइन) नीलामी की गई। इस एक खदान के लिए रायपुर के साथ दूसरे जिलों से भी आवेदन किए गए थे। इन आवेदनों में पात्र पाए गए सैकड़ों आवेदनों में सीलिंग प्राइज की एक समान बोली लगने के कारण अंत में इलेक्ट्रानिक ड्रा प्रणाली से इसकी नीलामी की गई। इस ड्रा में जनक कुमार यादव नामक व्यक्ति का नाम निकला है, जिसे खदान का ठेका मिला है।

- **501 आवेदनों में 23 रिजेक्ट, 478 पात्र मिले**

501 के आवेदन, नीलामी में पहुंचे 20 से भी कम आवेदक : कलेक्टोरेट के जिला पंचायत सभाकक्ष में एडीएम उमाशंकर बंदे एवं खनिज विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में ग्राम टीला-ए खदान का टेंडर कम्प्यूटर सिस्टम और प्रोजेक्टर के माध्यम से खोला गया। इस खदान के लिए कुल 501 आवेदन किए गए थे। इन आवेदनों की तुलना में टेंडर खुलने की प्रक्रिया में 5 प्रतिशत आवेदक भी उपस्थित नहीं थे। यहां तक ड्रा में जिस व्यक्ति का नाम निकला है, वह व्यक्ति भी टेंडर खुलने के दौरान यहां मौजूद नहीं था। सूत्रों की मानें, तो जिस व्यक्ति को खदान का ठेका मिला है, वह भी किसी सिंडिकेट से जुड़ा हुआ है।

पटवारी रिपोर्ट को दरकिनार कर खदान की नीलामी

खनिज विभाग ने टीला-ए खदान की नीलामी पटवारी की रिपोर्ट को दरकिनार कर किया है। इस खदान को चिन्हांकित एवं सीमांकित करने के लिए विभाग ने पटवारी, तहसीलदार एवं खनिज निरीक्षक से जांच प्रतिवेदन मंगाया था। इस प्रतिवेदन में पटवारी ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया था कि इस खदान के 500 मीटर की दूरी पर पुल का निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि तहसीलदार एवं खनिज निरीक्षक ने पटवारी प्रतिवेदन के विपरीत प्रतिवेदन दिया है, जिसमें किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं होने की जानकारी दी है। इसके बाद भी विभाग ने इस खदान की नीलामी करा दी है।

इन खदानों के लिए भी मंगाए गए आवेदन

पहली बार ऑनलाइन प्रणाली से रेत खदान को मिली सफलता के बाद विभाग ने शेष 6 नई रेत खदानों की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इनमें गोबरा नवापारा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टीला-बी, चांपाझर-ए, चांपाझर-बी के अलावा आरंग क्षेत्र अंतर्गत हरदीडीह-बी, कुरुद-सी एवं राटाकाट-बी शामिल है। इन खदानों के लिए आवेदन 26 नवंबर तक मंगाए गए हैं, वहीं सभी खदानों का टेंडर 27 नवंबर को खोला जाएगा।

23 आवेदन रिजेक्ट किए गए

ग्राम टीला-ए खदान के लिए 501 आवेदन आए थे। इनमें विभिन्न कारणों से 23 आवेदन रिजेक्ट किए गए। शेष 478 में 474 आवेदनों में न्यूनतम एक समान बोली लगाई गई थी, इसलिए इलेक्ट्रानिक ड्रा के माध्यम से नाम निकाला गया। *- हेमंत चेरपा, खनिज अधिकारी रायपुर*

आयुष्मान योजना में गड़बड़ी, रायपुर में 9 निजी अस्पतालों पर गिरेगी गाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान भारत स्वास्थ्य सहायता योजना के मापदंडों पर खरे नहीं उतरने वाले अस्पतालों पर एक बार फिर कार्रवाई का दौर शुरू हो गया है। धमतरी में 1 और महासमुंद के 3 निजी हास्पिटलों को 3-3 माह के लिए योजना से निलंबित किया गया है। रायपुर जिले में 9 हास्पिटलों के खिलाफ कार्रवाई की पूरी तैयारी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार इस मामले में निजी अस्पताल पहुंचकर जांच कर रही है।

- **महासमुंद में 3, धमतरी में 1 निलंबित, मापदंडों को पूरा नहीं कर पा रहे अस्पताल, ज्यादा वसूली की शिकायत**

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पंजीकृत महासमुंद जिले के तीन निजी अस्पताल महानदी हॉस्पिटल महासमुन्द, सेवा भवन हॉस्पिटल जगदीशपुर पिथौरा एवं अंबिका हॉस्पिटल खरखरी सरायपाली द्वारा योजना के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के कारण आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से 03 माह के लिये निलंबित किया गया है। अफसरों के अनुसार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत इलाज की सुविधा नहीं मिलेगी। इसके पूर्व योजना से धमतरी जिले के नंदा हास्पिटल पर निलंबन की गाज गिरी थी। इस हास्पिटल के खिलाफ एक मरीज ने अतिरिक्त बिल लेने की शिकायत की थी। जांच में शिकायत सही पाई गई, जिसके बाद प्रार्थी को अतिरिक्त राशि 30 हजार वापस कराई गई और अस्पताल को योजना से निलंबित किया गया। कुछ इसी तरह की कार्रवाई रायपुर जिले के निजी अस्पतालों में किए जाने की तैयारी है। यहां के 9 अस्पतालों को इसके लिए सूचीबद्ध किया गया है। इनमें से एक अस्पताल पर बड़ी और बाकी पर कुछ महीने के निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

बिजनेस साइट सिटी

जीके इलेक्ट्रिक ने शुरू की अपने नए मॉडल कार्गो एक्सएल की डिलीवरी

रायपुर। मध्य भारत की अग्रणी ईवी निर्माता कंपनी जीके इलेक्ट्रिक ने अपने नए मॉडल जीके इलेक्ट्रिक कार्गो सुपर डीएलएक्स - एक्सएल की डिलीवरी शुरू कर दी है। कंपनी की यह पहली डिलीवरी सुनील कुमार कुर्रे को दी गई, जिन्होंने इसे मजबूत, किफायती और छोटे व्यापार के लिए उपयुक्त वाहन बताया। उन्होंने कहा कि इस गाड़ी से उनके दूध व्यवसाय को नई गति मिलेगी। छोटे व्यापारियों और स्व-रोजगार करने वालों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह मॉडल 105 एएच लिथियम-आयन बैटरी, 1000 वॉट की बीएलडीसी मोटर और प्रति चार्ज 120 किमी की रेंज के साथ आता है। इसकी 250 किलोग्राम तक लोडिंग क्षमता और तीन तरफ से खुलने वाली ट्रे इसे दूध, सब्जी, एफएमसीजी, पानी और हार्डवेयर परिवहन के लिए आदर्श बनाती है। कार्गो एक्सएल अपनी श्रेणी में सबसे किफायती और भरोसेमंद विकल्प साबित हो रहा है। कंपनी का उद्देश्य 'मेक इन इंडिया' के तहत स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना और प्रदूषण-मुक्त भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाना है।

पेज 09 के शेष ...

नया रायपुर की चकाचक और साफ-सुथरी सड़क पर...

नहीं है। खेत-खलिहान में कच्चा होने की वजह से वहां धान सुखाने में परेशानी हो रही है, पर पक्की व साफ सुथरी सड़क पर धान की ढेरी बिखेरकर उसे धूप में सूखाने लोग यहां रोज पहुंचते हैं। सुबह से लेकर देर शाम तक उनका समय यहीं बीत रहा है। मजे की बात ये है कि वे अपने सालभर की मेहनत की निगरानी यहीं सड़क किनारे तंबू तानकर कर रहे हैं। जगह भी पर्याप्त और सूर्य का प्रकाश भरपूर मिल रहा है, इसे देखते हुए धान सुखाना ज्यादा सुरक्षित है।

तोमर सूदखोरी एक्सटार्सन और...

वीरेंद्र तोमर पूछताछ में पुलिस को कोई विशेष मदद नहीं कर रहा। वीरेंद्र से रोहित के बारे में जानकारी जुटाने पुलिस ने पूछताछ की, तो उसने पुलिस को केवल इतनी ही जानकारी दी है कि दो माह से उसका उसके भाई के साथ किसी तरह से संपर्क नहीं हो पाया है। इस कारण उसने रोहित के बारे में पुलिस को कोई भी जानकारी दे पाने की बात से इनकार किया। सूदखोरी से अर्जित संपत्ति को विरेंद्र अपनी मेहनत की कमाई साबित करने पुलिस के सामने कई मनढ़ंत स्टोरी बता रहा है।

31 दिसंबर तक 24 घंटे मिलेगा...

वहीं 2700 उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने अभी तक 24 घंटे जल आपूर्ति के लिए नए कनेक्शन लेने रुचि नहीं ली है। उन्हें रायपुर स्मार्ट सिटी ने 15 नवंबर तक संबंधित जोन कार्यालय में आवेदन देने का समय दिया है। इस अवधि में आवेदन करने पर उन्हें निःशुल्क नया कनेक्शन इस योजना के तहत दिया जाएगा। 15 नवंबर के बाद कनेक्शन के लिए आवेदन पर निर्धारित शुल्क लेकर ही नया कनेक्शन इस योजना का फायदा उठाने दिया जा सकेगा। प्रोजेक्टस से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक जिन उपभोक्ताओं ने 24 घंटे जल आपूर्ति के लिए कनेक्शन लेने आवेदन नहीं किया है, उनमें सदरबाजार, गोलबाजार, रवि भवन, मालवीय रोड, स्टेशन रोड और मौदहापारा के इलाके शामिल हैं।

5 साल तक देखरेख व संचालन की शर्त : रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड से अनुबंधित कोल्हापुर की लक्ष्मी सिविल इंजीनियर कार्पोरेशन एजेंसी इस प्रोजेक्ट में 5 साल तक प्रोजेक्ट की देखरेख व संचालन अपने खर्च कर पर करेगी। गंज पानी टंकी और मोतीबाग की नई पानी टंकी को कमांड एरिया बनाकर पानी की खपत जांचने स्वचालित वाटर मीटर लगाए गए हैं। 24 घंटे पानी की आपूर्ति की इस योजना के लिए नगर निगम को 17 एमएलडी अतिरिक्त पानी की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने पहले ही नगर निगम के फिल्टर प्लांट को पत्र लिखकर अवगत करा दिया है।

इसमें मोतीबाग की नई पानी टंकी से 10 एमएलडी और गंज पानी टंकी से रोजाना 7 एमएलडी अतिरिक्त जल आपूर्ति की मांग की गई है।

बिरनपुर हिंसा केस में आज होगी सीबीआई की...

सांप्रदायिक तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। पुलिस ने घटना के बाद 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। राज्य में भाजपा सरकार के गठन के बाद मामले की जांच सीबीआई के सुपुर्द किया गया। पिछले दिनों सीबीआई ने स्पेशल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इस हिंसा में साजा विधायक ईश्वर साहू (बाद में विधायक बने) के बेटे भुनेश्वर साहू की मौत हुई थी। सीबीआई ने हिंसा में 18 आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की थी। 12 आरोपी जेल में बंद हैं।

खबर संक्षेप

छत्तीसगढ़ के पूर्व संचालक एबी दुबे हुए सम्मानित

रायपुर। सतना जिले के हायर सेकंडरी स्कूल महुडर में आयोजित सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ के पूर्व संचालक, शिक्षा एवं शिक्षाविद एबी दुबे का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और विशिष्ट अतिथि नौसेनाध्यक्ष एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी थे। श्री त्रिपाठी महुडर के निवासी हैं। श्री दुबे महुडर में 1969 से 1982 तक कार्यरत थे। उनकी शिक्षा और नैतिक दायित्वों की सीख के लिए श्री दुबे का सम्मान किया गया। वहीं सेनाध्यक्ष का सम्मान उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने किया और स्कूल के लिए एक जल जहाज का मोमेंटो तथा लैव के लिए रुपए दो लाख का चेक दिया गया।

सहकारी समिति के जरिए हो किसान पंजीयन

रायपुर। आम आदमी पार्टी ने मांग करते हुए कहा है कि किसानों का पंजीयन सहकारी समिति के जरिए जारी रखा जाए। पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उत्तम जायसवाल ने कहा , सरकार की लापरवाही से प्रदेश में किसान परेशान है। एग्रोस्टेक पोर्टल में खराबी के कारण हजारों किसानों का पंजीयन नहीं हो पाया है। इस कारण किसान धान ना बिकने की समस्या से चिंतित हैं। अब तक सरकार द्वारा जो गिरदावरी में आवेदन लिया गया है, उसमें किसान की भूमि, खसरा, फसल आदि का डेटा राजस्व अभिलेखों से मिलान नहीं हो रहा है। सरकार जल्द ही इस समस्या का समाधान करे, ताकि किसानों को उचित लाभ मिल सके।

स्पेशल ट्रेन सिखों के लिए आज होगी रवाना

रायपुर। गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व को समर्पित पंज तखत दर्शन सिमरन यात्रा 13 नंबर को सुबह 11:30 बजे रायपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। यह यात्रा गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित की गई है और पूरे रायपुर शहर में भव्य स्वागत की तैयारी की गई है। यात्रा की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और यह छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर चुकी है। यात्रा के संयोजक सुरेंद्र सिंह छाबड़ा ने बताया कि यात्रियों के लिए जगह जगह लंगर नाश्ते व रुकनें के लिए कमरों कि व्यापक व्यवस्था कि है व स्पेशल ट्रेन में डॉक्टर की व्यवस्था भी है सिक्ख संगत को यात्रा का लाभ उठा गुरु घर दर्शन करने की अपील की है इस यात्रा मे उडीसा महाराष्ट्रा गुजरात व अन्य प्रांत के धर्म प्रेमीं भी दर्शन लाभ ले रहे हैं जो तख्त हजुर साहब नांदेड 16 को, तख्त की अनंतपुर पंजाब 17 को, तख्त दमदमा साहिब बठिंडा पंजाब 18 और 19 को, अकाल तख्त सी अमृतसर शहर पंजाब 20 को, रकाबगंज साहिब दिल्ली बंगला साहिब दिल्ली 22 को, तख्त पटना साहिब बिहार 23 एवं 24 को, धुबरी साहेब धुबरी आसाम से होते हुए 26 नवंबर को रायपुर वापसी होगी। यात्रा के संयोजक गुरुद्वारा से स्टेशन रोड के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह छाबड़ा है जो इस यात्रा के मुख्य जत्थेदार हैं।

प्रायवेट लैब का भुगतान अटका, सिकलसेल की गंभीरता का पता लगाने वाली जांच ठप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सिकलसेल संस्थान पूर्ण सुविधाओं के साथ काम करने के लिए अपने नए भवन बनने और संसाधन जुटाने का इंतजार कर रहा है। इस बीच सिकलसेल की गंभीरता का पता लगाने की जाने वाली एचपीएलसी जांच पिछले डेढ़ माह से ठप हो चुकी है। सुविधा के अभाव से जूझ रहा संस्थान यह जांच निजी लैब से कराता था, जिसका पिछले 23 माह से भुगतान ही नहीं किया गया। कई रीमाइंडर के बाद भी 12.57 लाख से ज्यादा का बकाया नहीं मिलने पर संस्थान ने हाथ खड़े कर दिए।

हरिभूमि सरोकार

जानकारी के अनुसार सिकलसेल संस्थान विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों से आने वाले सैंपलों को जांच के लिए डीके अस्पताल में पीपीपी मोड पर संचालित लैब भेजकर जांच कराता था। इसके लिए बाकायदा सिकलसेल संस्थान के

प्राइवेट लैब में पांच से सात सौ

सूत्रों के मुताबिक स्वास्थ्य केंद्रों में विभिन्न स्तर पर होने वाली स्क्रिनिंग के बाद संदिग्ध मरीजों के सैंपल एचपीएलसी टेस्ट के लिए सिकलसेल संस्थान भेजा जाता है। डीके अस्पताल के लैब में रियायती दर पर इसकी जांच हो जाती है, मगर प्राइवेट लैब में जाने पर मरीजों को टेस्ट के लिए पांच से सात सौ रुपये खर्च करने पड़ते हैं। शासन स्तर पर जांच फिलहाल पेंडिंग है।

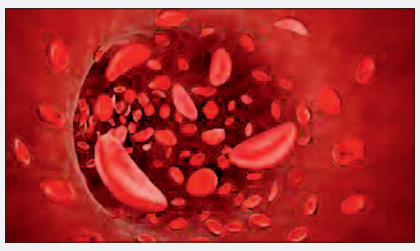

25 हजार पंजीकृत मरीज : राज्य में वर्तमान में सिकलसेल के 25 हजार के करीब पंजीकृत मरीज हैं। इनके आधुनिक तरीके से इलाज और बोनमैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा के लिए सिकलसेल संस्थान को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने की योजना है। इसके लिए लंबा समय बीतने के बाद भी भवन बनाने का काम प्रारंभिक चरणों में पूर्ण हुआ है। भवन पूर्ण होने और अन्य सुविधाएं जुटाने में काफी वक्त लगने की संभावना है। वर्तमान में सिकलसेल संस्थान मेडिकल कालेज भवन के एक हिस्से में तैयार हो रहा है।

- सिकलसेल संस्थान में सुविधा नहीं, डीके अस्पताल के प्राइवेट लैब में होता है टेस्ट
- 12 .57 लाख से ज्यादा का बकाया, वर्ष 2022 से कराई जा रही एचपीएलसी जांच

स्वशासी समिति की बैठक में होगा फैसला

जांच के लंबित भुगतान की जानकारी है। इस बारे में आने वाले दिनों में होने स्वशासी समिति की बैठक में निर्णय लिया जाएगा। जांच की सुविधा शीघ्र ही प्रारंभ की जाएगी।

- डा. जयंती चंद्राकर, महानिदेशक, सिकलसेल संस्थान

महानिदेशक द्वारा वर्ष 2022 को संचालक चिकित्सा शिक्षा के माध्यम से अनुमति दी गई थी। संस्थान रियायती दर पर सिकलसेल के संदिग्ध मरीजों की जांच कर बीमारी की गंभीरता की रिपोर्ट देता था। इस आधार पर आवश्यक इलाज की प्रक्रिया शुरू की जाती थी।

सूत्रों के अनुसार पिछले सवा महीने से ठप पड़ी है, इसकी वजह संस्था का लंबित भुगतान है। सूत्रों का कहना है कि हर माह एचपीएलसी की जांच के लिए डेढ़ से दो हजार सैंपल यहां भेजे जाते थे। सिस्टम के तहत जांच की राशि का महीनेभर तो नियमित भुगतान हुआ। इसके बाद राशि पेंडिंग होती चली गई और 23 माह बीत गया। सितंबर तक भुगतान की लंबित राशि साढ़े 12 लाख से ऊपर हो गई। भुगतान के लिए कई बार निजी लैब द्वारा डीके अस्पताल प्रबंधन से लेकर सिकलसेल की महानिदेशक को रीमांडर भेजा गया ,मगर निराशा हाथ लगी है। लंबित राशि को देखते हुए आखिकार संस्थान की ओर से एक अक्टूबर से टेस्ट बंद कर दिया गया।

परिसर में हर रोज जाम की स्थिति बन रही

पैदल चलने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही

हेलमेट-सीट बेल्ट अनिवार्य का आदेश बना मुसीबत

कलेक्टोरेट परिसर बना अवैध पार्किंग का अड्डा, लग रहा जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिला प्रशासन ने हेलमेट पहने बिना दोपहिया वाहन तथा सीट बेल्ट लगाए बगैर चारपहिया वाहन को कलेक्टोरेट के अंदर परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा रखा है। यह आदेश अब प्रशासन के लिए ही मुसीबत बन गया है, क्योंकि इस आदेश के बाद कलेक्टोरेट के मुख्य गेट के पास तैनात पुलिस के जवान अब उन सभी दोपहिया एवं चारपहिया वाहन को प्रवेश करने से नहीं रोक रहे हैं, जो इस नियम का पालन कर रहे हैं, लेकिन इस छूट के कारण अब कर्मचारियों से लेकर बाहरी लोगों ने 6 लेयर मल्टीलेवल पार्किंग में गाड़ी रखना ही बंद कर दिए हैं और सीधे कलेक्टोरेट परिसर में वाहन पार्क कर रहे हैं, जिसके कारण परिसर भी अवैध पार्किंग का अड्डा बन गया है। इसकी वजह से परिसर में हर रोज जाम की स्थिति बन रही है। यहां तक कि पैदल चलने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है।

बिना हेलमेट लगाए वाहन चालकों को ही मल्टीलेवल भेजा जा रहा

कलेक्टोरेट के मुख्य गेट के पास आदेश का पालन कराने के लिए पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। ये पुलिस जवान हर दिन यहां तैनात रहते हैं, जो सिर्फ उन्हीं दोपहिया वाहन चालकों को अंदर प्रवेश करने से रोकते हैं, जो हेलमेट नहीं लगाए पहुंचते हैं। इन वाहन चालकों को मल्टीलेवल पार्किंग में वाहन पार्क करने के लिए भेजा जा रहा है।

कर्मचारियों एवं लोगों को जागरूक करने जारी किया था आदेश : राजधानी रायपुर सहित जिले के कई इलाकों में बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों तथा बगैर सीट बेल्ट लगाए चारपहिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली आकस्मिक मौतों पर अंकुश लगाने के साथ लोगों में हेलमेट पहनने एवं सीट बेल्ट लगाने के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से कलेक्टोरेट परिसर में बिना हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाए वाहन के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है। इस आदेश के बाद सरकारी कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भी हेलमेट पहनने के साथ सीट बेल्ट लगाना शुरू कर दिया है, लेकिन यह आदेश अब प्रशासन के लिए ही मुसीबत बन गया है।

कर्मचारी, वकील से लेकर आम लोग भी परिसर में पार्क कर रहे वाहन

कलेक्टर के आदेश के बाद अधिकारियों के चारपहिया वाहन से लेकर सभी विभागों के कर्मचारी भी अपने दोपहिया वाहन को अब मल्टीलेवल पार्किंग की जगह कलेक्टोरेट परिसर में ही पार्क कर रहे हैं। इसके अलावा जिला कोर्ट के कई वकीलों के चार एवं दोपहिया वाहन भी परिसर में ही पार्क किए जा रहे हैं। इनके अलावा आम लोग भी जो हेलमेट लगाकर पहुंच रहे हैं, वे भी वाहन को कलेक्टोरेट परिसर में ही पार्क कर रहे हैं।

संचालकों की पीड़ा- हमने जमा किया दुकानों का एडवांस किराया हाउसिंग बोर्ड ने लगाया ताला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की एक बड़ी गड़बड़ी का खुलासा पीड़ितों ने किया है। टाटीबंध स्थित हाउसिंग बोर्ड की दुकान क्रमांक एक और दो को जिन लोगों को किराए पर दिया है, उन दुकान संचालकों द्वारा दिसंबर 2025 और मार्च 2026 तक का किराया एडवांस जमा किया गया है। इसके बाद भी हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों ने अवैध रूप से कब्जा बताकर न केवल दोनों दुकानों में ताला लगा दिया है, बल्कि दुकान को खाली करवाए बिना ही उसे बेचने के लिए विज्ञापन जारी करते हुए दूसरे लोगों को बेच भी दिया है। राजधानी में अधिकारियों द्वारा की गई लापरवाही की जानकारी बुधवार को पत्रकार वार्ता में पीड़ितों ने दी। दुकान संचालक पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि कुसुम शर्मा के नाम से 1979 में हाउसिंग बोर्ड की दुकान को किराए पर लेने के बाद रोजी-रोटी कमा रहे हैं। साथ ही बढ़ते क्रम में हर साल एडवांस

- पत्रकार वार्ता में पीड़ितों ने कहा- किराया लेने के बाद बताया जा रहा अवैध कब्जा

किराया भी जमा करते रहे हैं। वर्तमान में भी दिसंबर 2025 तक का किराया बोर्ड के पास जमा है। कुछ इसी तरह की स्थिति विजय राज बोथरा की है। उन्होंने बताया कि मार्च 2026 तक का किराया हमेशा की तरह एडवांस जमा है। इसके बाद भी 15 सितंबर को दुकान खाली करने के संबंध में सूचना पत्र दिया गया। इसमें लिखा गया था कि दुकान रिक्त कर देवें अन्यथा मंडल द्वारा पुलिस बल के माध्यम से रिक्त करवाने के लिए कार्रवाई की जाएगी। सूचना का जवाब देने के बाद बिना न्यायालयीन नोटिस और आदेश के दोनों दुकानों को सील कर दिया।

किराया लेने के बाद बता दिया अवैध कब्जाधारी

उन्होंने बताया कि बोर्ड ने दुकानों में ताला जड़ दिया है। इससे रोजी-रोटी की समसया खड़ी हो गई है। 60 साल से ज्यादा की उम्र होने से हम कोई दूसरा काम भी नहीं कर सकते। ऐसी स्थिति में घर का खर्च वहन करना दूभर हो गया है। उधार में लिया गया सामान भी दुकान बंद होने से खराब होने की स्थिति में है। इससे 2 से 3 लाख के नुकसान की स्थिति है। जिनसे सामान उधार लिया है, वह पैसा जमा करने दबाव बना रहे हैं, क्योंकि किराया समय पर जमा करने के बाद भी हमें अवैध कब्जाधारी करार दिया गया। हमसे दुकानों का एडवांस किराया लेने के बाद भी दुकानों को दूसरे लोगों को बेच दिया।

5.64 लाख रुपए टैक्स बकाया, फर्म सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम जोन 2 राजस्व विभाग ने बुधवार को राजीव गांधी वार्ड के बड़े बकायादार दिलीप कुमार पटेल की फर्म को सील कर दिया। उन पर 5 लाख 64 हजार 761 रुपए का टैक्स बकाया था। बकाया राशि का भुगतान करने उन्हें नियम अनुसार नोटिस दिया गया था, इसके बावजूद बकाया कर भुगतान नहीं करने पर फर्म को सीलबंद किया गया। नगर निगम का राजस्व महकमा इन दिनों बड़े बकायादारों से राजस्व वसूली को लेकर अभियान चला रहा है। जोनवार चलाए जा रहे इस अभियान की कड़ी में बुधवार को जोन 2 कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे के निर्देश पर जोन की राजस्व टीम ने राजीव गांधी वार्ड के बड़े बकायादार व भवन स्वामी द्वारा बकाया राशि का भुगतान नगर निगम को नहीं किए जाने पर तत्काल स्थल पर जाकर संबंधित फर्म को सीलबंद करने कदम उठाया। यह कार्रवाई उपायुक्त राजस्व जागृति साहू के निर्देश अनुसार की गई।

- नगर निगम जोन 2 अमले ने की कार्रवाई

रोड डिवाइडर पोल में होर्डिंग लगाया, जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम जोन 3 अमले ने बुधवार को विज्ञापन बोर्ड चस्पा कर शासकीय संपत्ति का विरूपण करने वाले 4 संस्थानों पर नोटिस देकर जुर्माना किया। ये बोर्ड रोड डिवाइडर के स्ट्रीट पोल पर लगाए गए थे। इनमें समृद्धि अटलांटिस, नीलिया अपार्टमेंट, रेवोल्यूशन एंड डांस एकेडमी, मीनल एस सेलून के संबंधित संचालकों से 22 हजार रुपए जुर्माना वसूला गया। प्रक्रिया के तहत उन्हें नोटिस जारी कर भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न दोहराने की हिदायत भी दी गई है।

- 4 संस्थानों पर 22 हजार जुर्माना

निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन 3 के नगर निवेश विभाग की टीम ने कार्यपालन अभियंता सुशील मोडेस्टस, सहायक अभियंता नरेश साहू और उप अभियंता अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति में रोड डिवाइडर के स्ट्रीट पोल पर अवैध प्रचार विज्ञापन चस्पा कर शासकीय संपत्ति विरूपण किए जाने वाले संस्थानों पर कड़ाई बरती।

एनडीपीएस के आरोपियों की संपत्ति की जानकारी जुटाने पुलिस को आईटी अफसर ने दिए टिप्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मादक पदार्थों की तस्करी रोकना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। इसके साथ ही मादक पदार्थों के साथ जिन तस्करों को पुलिस गिरफ्तार करती है, उसके द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से कितनी संपत्ति अर्जित की है, इसकी जानकारी जुटाना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले पकड़े जाते हैं और उन्हें सजा भी हो जाती है, बावजूद इसके उसने मादक पदार्थों से कितनी आय अर्जित की है, पुलिस इस बात की जानकारी नहीं जुटा पाती। ऐसे में अक्त अवैध कमाई का उपभोग तस्कर के करीबी या परिजन करते हैं। तस्करों ने मादक पदार्थ से कितनी संपत्ति अर्जित की है, इस बात की जानकारी जुटाने पुलिस मुख्यालय में पुलिस अफसरों की बुधवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- पुलिस मुख्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

आयोजित कार्यशाला में आयकर विभाग, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ से अन्य केंद्रीय एजेंसी डीआरआई, कस्टम के अफसरों ने बताया कि पुलिस जब भी एनडीपीएस की कार्रवाई करती है, आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को आरोपी के सभी प्रकार के वित्तीय दस्तावेज पासबुक, क्रेडिट, डेबिट कार्ड, पैन कार्ड आदि की जप्ती की जानी चाहिए। फाइनेंसियल इन्वेस्टिगेशन की दिशा में पैन कार्ड, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर, इंकम टैक्स डिटेल, आईटीआर, बैंकिग ट्रांजेक्शन आदि के माध्यम से आरोपियों की संपत्ति की जानकारी कैसे जुटाई जा सकती है, कार्यशाला में इस बात की जानकारी दी गई। कार्यशाला का आयोजन राज्य के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम आईजी नारकोटिक्स रतन लाल डांगी के मार्गदर्शन में किया गया।

बारनवापारा में बाघ की आमद खबर से ग्रामीण विरोध में उतरे

- बाघ की सुरक्षा को लेकर वन विभाग बरत रहा अतिरिक्त सतर्कता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बलौदाबाजार वनमंडल के बारनवापारा अभयारण्य में डेढ़ वर्ष बाद एक बार फिर बाघ की दहाड़ सुनाई दे रही है। बाघ की आमद होने से वन विभाग के अफसरों के लिए बाघ की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती साबित हो रही है। इसकी वजह बाघ की आमद की खबर से ग्रामीण नाराज हैं। इसकी वजह बाघ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उसके विचरण क्षेत्र में लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी जाती है, इसके चलते ग्रामीण असहज हैं। ग्रामीण क्षेत्र के लोग बाघ को रेस्क्यू कर किसी दूसरे वनक्षेत्र में छोड़े जाने की मांग कर रहे हैं। इसे लेकर ग्रामीण सोशल मीडिया में अभियान तक चला रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष एक बाघ भटकते हुए बारनवापारा के जंगल में पहुंचा था। बाघ आठ महीने तक बारनवापारा वन क्षेत्र के अलग-अलग क्षेत्रों में विचरण कर रहा था। बाघ को रेस्क्यू कर बाद में गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व में छोड़ा गया। डेढ़ साल बाद एक बार फिर बाघ की बारनवापारा में आमद हुई है। वर्ष 2024 में बारनवापारा में जब बाघ की आमद हुई थी, उस समय सुरक्षा बढ़ाए जाने तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्था किए जाने की वजह से जंगल की अवैध कटाई के साथ शिकार की घटनाएं रुक गई थीं।

उदंती-सीतानदी से पहुंचा है बाघ
बारनवापारा में जो बाघ पहुंचा है, वह उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व का बाघ है जो विचरण करते हुए धमतरी वनमंडल से होते हुए महासमुंद वनमंडल में एक पखवाड़ा से ज्यादा समय गुजारने के बाद 10 दिन पूर्व बारनवापारा पहुंचा है। इस बात की जानकारी विभागीय अफसरों को पहले से है। बावजूद इसके वन विभाग के अधिकारी मौन साधे बैठे रहे।

सर्कस से बाघ लाकर छोड़ने का आरोप

एक वाट्सएप ग्रुप में ग्रामीणों ने बारनवापारा में पहुंचे बाघ को विभागीय अधिकारियों द्वारा सर्कस से लाकर छोड़ने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पर्यटकों को आकर्षित करने वन विभाग के अफसरों ने सर्कस (जू) के बाघ को लाकर छोड़ दिया है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कुछ नहीं है। विभागीय अधिकारियों को बाघ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण के बीच जनजागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता होने की बात जानकार कह रहे हैं।

हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 13 नवंबर 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

बेटियों का जीवन संवारने माता-पिता ...

लाइव इवेंट

कृषकों और कार्यकर्ताओं के बीच आज प्राकृतिक खेती पर संगोष्ठी

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ शासन और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रयास से गुरुवार को प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होने जा रहा है। राज्यपाल रमेन डेका संगोष्ठी का शुभारंभ करेंगे। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि मंत्री रामविचार नेताम एवं आईजीकेवी के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल शामिल होंगे। कृषक सभागार में सुबह 10 बजे से प्राकृतिक खेती पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कृषकों एवं कृषि विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं को प्राकृतिक खेती की अवधारणा, महत्व और इससे होने वाले फायदे के साथ ही विधियों से अवगत कराया जाएगा।

प्राकृतिक खेती के सिद्धांत और अवधारणा पर डालेंगे प्रकाश

तीन तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इसमें खेती के अनुभव और भारत में प्राकृतिक खेती की जरूरत पर जोर देते हुए महत्व भी बताया जाएगा। प्राकृतिक खेती के विभिन्न घटक, खेती का आधार, गौ पालन, प्राकृतिक खेती के सिद्धांत व अवधारणा पर वक्ताओं द्वारा प्रकाश डाला जाएगा। छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा सारगर्भित जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों एवं नेशनल कॉलीशन फॉर नेचुरल फार्मिंग के विशेषज्ञ प्राकृतिक खेती के संबंध में कृषकों एवं विभिन्न जिलों के नोडल अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान उनकी समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा।

● रंगमंदिर में पांच दिवसीय राष्ट्रीय मुक्तिबोध नाट्य समारोह का आगाज, दर्शकों को मिला बेहतर माहौल

'वापसी' नाटक ने बयां की सेवानिवृत्त आदमी की पारिवारिक व्यथा, उनके संवाद ने दिया शोषण के खिलाफ सामाजिक संदेश

बुधवार को रंगमंदिर में पांच दिवसीय राष्ट्रीय मुक्तिबोध नाट्य समारोह शुरू हुआ। गजानन माधव मुक्तिबोध की जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ फिल्म एंड विजुअल आर्ट सोसायटी द्वारा आयोजित इस नाट्य समारोह का आगाज दो नाटकों के मंचन के साथ हुआ। पहला नाटक उषा प्रियंवदा की लोकप्रिय कहानी पर आधारित 'वापसी' और दूसरा दिनेश ठाकुर की कहानी पर आधारित 'आपस की बात' रहा। इन दोनों ही नाटकों ने सामाजिक परिवेश और पारिवारिक संघर्ष की व्यथा से दर्शकों को झकझोर दिया।

रायपुर। शाम 7 बजे रंगमंदिर के रंगमंच पर वापसी नाटक का निर्देशन रचना मिश्र ने प्रभावशाली रूप से किया। उन्होंने नाटक के पात्रों, वेश-भूषा, रूप सज्जा और मंच सज्जा से मार्मिक व संवेदशनशील नाट्य प्रस्तुतीकरण से दर्शकों का दिल छू लिया। वापसी नाटक की कहानी का रंगमंच पर रचना मिश्र ने आज के संदर्भ में बहुत प्रासांगिक रूप से नाट्य अभिनय चित्रण किया है कि कैसे परिवार का मुखिया जीवन भर परदेश में नौकरी करके जब सेवानिवृत्त होकर वापस आता है तो उसके बच्चे उसको सहन नहीं कर पाते। उसकी पत्नी भी बच्चों के साथ खड़ी दिखाई देती है। उसका बड़ा बेटा विवाहित है पर बेरोजगार है। रिश्वत के बिना नौकरी लगती नहीं। वक्त बदल गया है। नौकरी मिलने का आधार काबिलियत नहीं रह गई है। गांधीवाद नोटों पर छपकर जेबों में रहता है। सेवानिवृत्त आदमी फिर नौकरी की तलाश में घर से वापस चल देता है। आंकड़े बताते हैं कि आज बेरोजगारी के युग में युवा माता-पिता की पेंशन पर निर्भर हैं। अंततः गजाधर बाबू इस तरह अकेले दुखी होकर एक नई नौकरी स्वीकार कर लेते हैं और उसी दुनिया में लौट आते हैं, जहां वे परिवार से दूर रहते थे। नाटक मंचन देखने बड़ी संख्या में नाट्य प्रेमी व दर्शक पहुंचे। छत्तीसगढ़ फिल्म एंड विजुअल आर्ट सोसायटी के प्रमुख सुभाष मिश्र ने नाटक मंचन को मिले दर्शकों की सराहना के लिए आभार व्यक्त किया।

आज नाटक रश्मिरथी का मंचन

गजानन माधव मुक्तिबोध जयंती के अवसर नाट्य समारोह की श्रृखला में आज नाटक रश्मिरथी का मंचन शाम 7.30 बजे होगा। इससे पहले मुक्तिबोध के कविताओं की प्रस्तुति डॉ. सुयोग पाठक, रचना मिश्र व साथियों के द्वारा शाम 7 बजे की जाएगी।

नाट्य अभिनय व कहानियों ने दर्शकों को किया आंदोलित

दोनों ही नाटकों की आम आदमी से जुड़ी संवेदनशील कहानी और आप बीती ने दर्शकों को आंदोलित कर दिया। पात्रों ने अपने दमदार व भावपूर्ण अभिनय से नाटक में जान डाल दी। उन्होंने अपने भावपूर्ण अभिनय व गजब के डायलॉग डिलीवरी से दर्शकों को खूब मनोरंजित व आंदोलित किया। निर्देशकों ने नाटक के मूल उद्देश्यों को दर्शकों तक पहुंचाकर सामाजिक चेतना देने का महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नाटक 'आपस की बात'

शाम 7 बजे 45 मिनट से दिनेश ठाकुर की कहानी पर आधारित नाटक आपस की बात का मंचन हुआ। इसकी निर्देशक प्रीता ठाकुर नाट्य पात्रों के गजब के अभिनय प्रतिभा को मंच पर प्रस्तुत करने में कामयाब रही। प्रीता मथुरा ठाकुर ने बताया कि प्रसिद्ध रूसी लेखक एंटोनियो चेकोव ने कुछ कहानियां लिखी थीं। ये चिछलियां हास्यप्रद थीं, लेकिन शोषण के बारे में पाक्ला थिएटर और सिनेमा अभिनेता और निर्देशक ठाकुर ने इन कहानियों को एक मनोरंजक नाटक, आपस की बात के रूप में प्रस्तुत किया। एक अनोखे, अनूठे संवाद में, लेखक अपने मन में जगह बनाने के लिए संघर्ष के लिए अलग-अलग विषयों के बारे में बातें करते हैं और उनमें से चार को अपने दर्शकों के सामने रखते हैं। कथानक की पूरी टोली के साथ, एक नाटक के रूप में प्रस्तुत करते हैं। ये पात्र समाज के अलग-अलग नमूने और अलग-अलग तरह से आते हैं और बहुत अलग-अलग रेनकोट में रखे गए हैं।

सिटी इवेंट

आदिवासी समुदाय के पारंपरिक भोजन 'बासी पखाल' का पोषण लाभ में विशेष महत्वः डॉ. विवेक

रायपुर। एनआईटी में 'जन जातीय गौरव वर्ष' का आयोजन किया जा रहा है। यह 'जन जातीय गौरव वर्ष' धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 150वें जन्मजयंती के उपलक्ष में आयोजित हो रहा है। इस विषय पर बुधवार को एक व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आईआईटी दिल्ली के सेंटर ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. विवेक कुमार शामिल हुए।। डॉ. विवेक कुमार ने जनजातीय समुदायों की आजीविका के विभिन्न पहलुओं और उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली पारम्परिक तकनीकों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने नवाचार और तकनीकी के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि आज अधिकांश समस्याओं का समाधान तकनीक से संभव है, परंतु इसी तकनीकी विकास ने हमें प्रकृति से कुछ हद तक अलग भी कर दिया है। विकास की जैव-भौतिक सीमाओं पर विचार करते हुए समझाया गया कि प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, इसलिए संतुलित और जिम्मेदार विकास की आवश्यकता है।

'उन्नत भारत अभियान' की भूमिका पर भी चर्चा

उन्होंने अस्मिता, अस्तित्व और विकास के पारस्परिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए सतत विकास मॉडल की चर्चा की जो पर्यावरण, समाज और अर्थव्यवस्था के संतुलन पर आधारित है। आदिवासी समुदाय के पारंपरिक भोजन, विशेष रूप से 'बासी पखाल' के पोषण लाभों का उल्लेख किया गया। इसके साथ ग्रामीण आजीविका, आदि कर्मयोगी और 'उन्नत भारत अभियान' की भूमिका पर भी चर्चा हुई, जो ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इसके बाद डॉ. एन वी रमना राव ने सतत विकास के साथ जनजातीय तकनीकियों की प्रशंसा की और कहा कि ये सस्टेनेबल होती है। उन्होंने इस प्रकार के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के महत्व को रेखांकित किया और आशा की कि भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाए।

कार्यक्रम में ये रहें उपस्थित

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एनवी रमना राव सहित डीन (फैकल्टी वेलफेयर) डॉ. अनिल तिवारी, डॉ. एमके वर्मा, डॉ. मीना मुर्मू, डॉ. अनुज शुक्ला, डॉ. धर्मपाल, डॉ. निशा नेताम, डॉ. सीके ठाकुर, फैकल्टी मेंबर्स एवं छात्र उपस्थित रहे। सर्वप्रथम डॉ. मीना मुर्मू, एसोसिएट प्रोफेसर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और जनजातीय समाज, भगवान बिरसा मुंडा और आदिवासी आजीविका के बारे में प्रस्तावना रखी। इसके बाद एक प्रश्नोतरी कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया और अंत में डॉ. सीके ठाकुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सेन्ट्रल इंडिया इंटरनेशनल वॉग शो में प्रदेशभर के युवा प्रतिभागियों ने की शिरकत

रायपुर। शहर की ट्रिप्स प्रोडक्शन ने गोवा स्थित निजी होटल में सेन्ट्रल इंडिया इंटरनेशनल वॉग मिस, मिसेस और मिस्टर कैटेगरी शो का आयोजन किया। जहां प्रदेश के कई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की संचालिका तृप्ति रॉय ने बताया कि सेन्ट्रल इंडिया इंटरनेशनल वॉग बीते कई वर्षों से निरंतर किया जा रहा, जिसके लिए देशभर के कई प्रतिभागियों को उनके ट्रेलेंट के आधार पर चयन किया जाता है। इस दौरान प्लेटिनम कैटेगरी में कंचन पॉल, फस्ट रनरअप सानू साहू, सेकेंड रनरअप श्रीचन साहू, थर्ड रनरअप आलोक नेताम रही। मिसेज कैटेगरी में विनर शैल ऊके और प्लस कैटेगरी में पूनम साहू विजेता रही। बेस्ट ड्रेसअप का अवार्ड मधु बघेल को मिला। कार्यक्रम में शो स्टॉपर के रूप में रूबी नागरा रही। वहीं, फिल्म अभिनेत्री एलिना टुटेजा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई।

सात दिवसीय स्वदेशी मेला का 18 दिसंबर से आगाज

रायपुर। भारतीय विपणन विकास केंद्र द्वारा सांइस कॉलेज मैदान में सात दिवसीय 18 से 25 दिसंबर तक स्वदेशी मेला रायपुर 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विविध स्वदेशी वस्तुओं के स्टाल लगते है। सुई से लेकर बड़े मशीनरी स्तर की सभी वस्तुएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होती है। प्रतिदिन विविध प्रतियोगिताएं जिसमें मेंहदी, रंगोली, चित्रकला, समूह नृत्य प्रतियोगिता जैसी अनेकों प्रतियोगिताओं में हजारों प्रतिभावान लोगों को एक मंच दिया जाता है। विभिन्न राज्यों की संस्कृति को प्रस्तुत करने की भी एक अभिनव पहल मेले के आयोजन के दौरान की जाती है जिसमें छत्तीसगढ़ गुजरात, राजस्थान, पंजाब, उड़ीसा, आंध्रा व अन्य राज्यों की प्रस्तुति सांस्कृतिक कार्यक्रम और राज्यों के प्रसिद्ध खान-पान के स्टाल लगाए जाते है। लोकनृत्य लोक संस्कृति छत्तीसगढ़ के पारम्परिक कला को मंच पर कलाकार प्रतिदिन प्रस्तुत करते है। स्वदेशी का भाव लिए स्वदेशी को बढ़ावा देने 350 से अधिक विविध स्टाल मेले में सम्मिलित हो रहे। प्रतिदिन समसामयिक विषयों पर संगोष्ठी का आयोजन भी इस दौरान किया जाएगा। जिसमें विषय विशेषज्ञ संबंधित विषय पर चर्चा के दौरान उपस्थित रहेंगे। इस वर्ष स्वदेशी मेला रायपुर के मेला संयोजक अपेक्स बैंक के अध्यक्ष केदार गुप्ता, सह संयोजक चैंबर के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा एवं समाजसेवी मनीषा सिंह एवं स्वागत समिति सचिव अमरजीत सिंह छाबड़ा, मेला महिला प्रमुख आरती दुबे, सह महिला प्रमुख सीमा शर्मा को बनाया गया है।

कार्नर न्यूज

● गोपियापारा स्थित दंतेश्वरी अखाड़े में उस्ताद की निगरानी में खुद को बेहतर बनाने खिलाड़ी बहा रहे पसीना

ठंड की दस्तक से अखाड़े में लौटी रौनक, महिला और पुरुष खिलाड़ी प्रतियोगिता में बाजी मारने सीख रहे हैं दांव-पेंच

रायपुर। शरीर को फिट रखने के लिए ठंड की दस्तक के साथ ही अखाड़े में अब रौनक भी बढ़ने लगी है। इसके लिए पुरानी बस्ती के गोपियापारा स्थित अखाड़े में महिलाएं ही नहीं, पुरुष खिलाड़ी भी जगह-जगह होने वाली प्रतियोगिता में बाजी मारने के लिए दांव-पेंच सीखने के लिए उस्तादों की निगरानी में सुबह और शाम को 07 से 09 बजे के बीच पसीना बहा रहे हैं। इसके लिए दोनों ही तरह के अखाड़े में अभ्यास का उन्हें अवसर दिया जाता है। नए खिलाड़ियों को गद्दे पर अभ्यास के लिए उतारा जाता है, ताकि चोट लगने की झिझक और डर को खत्म किया जा सके। अभ्यस्त खिलाड़ियों को गोदी अखाड़े में पैतरे की आजमाइश का अवसर दिया जाता है। अभी अखाड़े में 50 पुरुष और 22 महिला खिलाड़ियों को गुरुओं की निगरानी में नियमित प्रैक्टिस करवाया जाता है।

इस तरह से दांव-पेंच के लिए करते हैं तैयार

दंतेश्वरी अखाड़ा के सचिव दिलीप यदु ने बताया कि अध्यक्ष एवं उस्ताद अशोक पहलवान से दांव-पेंच का गुर सीखने वाले पहलवान नई पौध को तैयार करने पहले वार्मअप करवाते हैं। इसके बाद किस तरह से अखाड़े में प्रतिद्वंद्वी को पटकनी देने से पहले छकाना होता है, इसके बारे में जानकारी दी जाती है। जब वे प्राथमिक स्तर पर कुश्ती में जीतने के लिए उत्सुक नजर आते हैं, तब पहलवानों के साथ दो-दो हाथ करने के लिए अवसर दिया जाता है। कुछ प्रसिद्ध दांव-पेच हैं- कलाजंग दांव (पेट के बल उठाकर पटकना), इरानी दांव (पकड़कर उठाना), निकाल दांव (टांगों के बीच से निकलकर उठाना), जांघिया दांव (जांघिया पकड़कर पटकना) और बगल डूब दांव। खिलाड़ियों को विपक्षी को पलभर में पटकनी देने के लिए पारंगत किया जाता है।

विपक्षी को मैदान में हराने की कला सीख रहे युवा

उन्होंने बताया कि कुश्ती का डिग्री कोर्स करने वाले चिरौजी साहू खिलाड़ियों को कलाजंग दांव लगाना सिखाते हैं। इस दांव में पहलवान अपने प्रतिद्वंद्वी को पेट के बल कंधे पर उठाते और फिर उसे पीठ के बल पटकते हुए चारों खाने चित करने में सफल होते हैं। इरानी दांव (टंगी दांव) इसमें प्रतिद्वंद्वी को उठाकर पटका जाता है। यह पारंगत पहलवानों का पसंदीदा दांव होता है। इसके अलावा निकाल दांव में पहलवान अपने प्रतिद्वंद्वी की टांगों के बीच से निकलकर उसे उठाकर पटकते हैं। इस दांव को लगाते समय फाउल होने से किस तरह से बचना चाहिए, यह भी सिखाया जाता है। बगल डूब दांव का प्रयोग करते हुए प्रतिद्वंद्वी को गिराने का प्रयास किया जाता है। इस तरह के दांव-पेंच से विपक्षी को हराने की कला युवा सीख रहे हैं।

सिटी लाइव

सद साहित्य पढ़ने में युवाओं का बढ़ा लगाव, कर रहे जनकल्याण के कार्य

रायपुर। गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सद साहित्य को पढ़ने के लिए गायत्री परिवार से जुड़े युवा ही नहीं, बल्कि आसपास के अन्य युवा भी पुस्तकालय में आते हैं। यह जानकारी गायत्री परिवार के प्रमुखों ने रायपुर संभाग के कमिश्नर महादेव कावरे को दी। समता कालोनी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में संचालित पुस्तकालय का उन्होंने अवलोकन भी किया। इस अवसर पर जोन प्रभारी सुखदेव निर्मलकर और ट्रस्ट के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस और उपस्थित परिजनों ने श्रीराम शर्मा आचार्य के सद साहित्य को संभाग कमिश्नर को भेंट किया। इसके साथ ही गायत्री परिवार द्वारा किए जाने वाले जनकल्याण के कार्यों से अवगत करवाया। पदाधिकारियों ने गायत्री परिवार द्वारा संचालित फिजियोथैरेपी सेंटर, यज्ञशाला और परिवार के गतिविधियों की जानकारी उन्हें दी।

हरिद्वार दर्शन के लिए परिजनों ने किया आमंत्रित

आगे बताया कि जनकल्याण के लिए गायत्री परिवार द्वारा रचनात्मक कार्य भी किए जाते हैं। जोन प्रभारी श्री निर्मलकर और गायत्री परिवार के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस ने बताया कि रायपुर के संभाग कमिश्नर श्री कावरे किसी कार्यक्रम में सम्मिलित होने के बाद समता कालोनी स्थित शक्तिपीठ पहुंचे थे। इस दौरान पदाधिकारियों ने श्री कावरे को शांतिकुंज हरिद्वार दर्शन और भ्रमण के लिए आमंत्रित भी किया।

धर्म लाइव

हिरण्याक्ष लोभ की संग्रह वृत्ति का प्रतीकः डॉ स्वामी इन्दुभवानन्द महाराज

बड़ी संख्या में आरती व व्यास पूजन में भक्तों ने लिया भाग

रायपुर। खमतराई में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है। बुधवार को श्रीमद् भागवत की अमृतमयी कथा को विस्तार देते हुए श्रीशंकराचार्य आश्रम के प्रमुख डॉ. स्वामी इन्दुभवानन्द तीर्थ जी महाराज ने बताया कि हिरण्याक्ष लोभ की संग्रह वृत्ति का प्रतीक है। श्रीमद् भागवत में हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु की कथा लोभ की वृत्ति के रूप में प्रस्तुत की गई है। हिरण्य अर्थात सोना अक्ष अर्थात आंख, जिसकी सोने में नजर लगी हो, संग्रह में जिसकी प्रवृत्ति हो, संग्रह को ही जो प्रमुख समझे वह हिरण्याक्ष। और हिरण्य अर्थात सोना कशिपु अर्थात शैया, जो सोने की शैया पर शयन करें, अर्थात भोग ही भोग करें, वह हिरण्यकशिपु। लोभ की दो वृत्तियां होती हैं, एक भोगवृत्ति और एक संग्रहवृत्ति। भोग वृत्ति वाला व्यक्ति सोने की शैया पर शयन करता है, भोग विलास करता है। वह हिरण्यकशिपु कहलाता है। संग्रहवृत्ति वाला दूसरों के धन पर आंख लगाए रहता है, उसे लूटपाट कर अपने घर में भरता है, जो स्वयं भोग विलास नहीं करता है।

आगे कथा के विस्तार में महाराज श्री ने बताया कि दक्ष की पुत्री दिति ने धर्म मर्यादा का विचार किए बिना कश्यपजी से संतान प्राप्ति की इच्छा की। कश्यप जी ने समझाया कि प्रत्येक पुरुष का धर्म है कि अपनी स्त्री की इच्छा को पूर्ण करें, क्योंकि स्त्री के द्वारा ही उसको धर्म, अर्थ, काम की सिद्धि प्राप्त होती है। पत्नी के सहारे ही मनुष्य दुःख से पार हो जाता है। पति के धर्म संपादन में पत्नी बहुत सहायक होती है। पत्नी शरीर का आधा अंग मानी जाती है। अतः प्रत्येक पुरुष का धर्म होता है कि वह अपनी पत्नी की इच्छा पूर्ण करें। किंतु देश, काल एवं समय का विचार करना चाहिए, अन्यथा अधार्मिक, अशिष्ट संतान उत्पन्न होती है। कथा के पूर्व यजमान सुदर्शन साहू, दुल्ली बाई, गज्जू साहू, गोदावरी साहू, मान बाई साहू, निरंजन साहू, मेनका साहू तथा परिवार की अन्य सदस्यों ने भागवत भगवान की पोथी की आरती की तथा व्यास पूजन किया।

लाइव इवेंट

विद्यार्थियों के लिए 16 को होगा एक दिवसीय आनापान ध्यान शिविर

रायपुर। सिंगारभाटा धम्म कुटी में 16 नवंबर को विद्यार्थियों की एकाग्रता बढ़ाने के लिए विपश्यना ध्यान केंद्र में एक दिवसीय निःशुल्क शिविर का आयोजन किया जाएगा। केंद्र के आचार्य सीताराम साहू ने बताया कि 10 से 17 साल के सभी बच्चे आज तेजी से बदलती दुनिया में तालमेल बनाने की बजाय तनावग्रस्त हो रहे हैं। आने वाली चुनौतियों का सामना करने और अपनी पूरी क्षमता को विकसित करने के लिए जीवन कौशल को जानने की जरूरत है। आनापान ध्यान का अभ्यास उन्हें शांति और बेहतर तरीके से जीने का तरीका जानने में मदद करता है। यह शिविर उन्हें वर्तमान चुनौतियों से निपटने में भी कारगर साबित होगा। इसे देखते हुए परीक्षा से पहले ही उनको एकाग्रचित करने के लिए अभ्यास का अवसर दिया जाएगा।

शिविर का हिस्सा बनने का अवसर दिया जाएगा

आचार्य ने बताया कि आत्मनिरीक्षण का एक स्वस्थ बीज ध्यान साधना के माध्यम से बोया जा सकता है, जो बाद में जीवन का एक नया आयाम खोलता है। इसके व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए धम्मकुटी विपश्यना ध्यान केंद्र रायपुर में 16 नवंबर को सुबह 08 बजे से दोपहर 02 बजे तक शिविर का हिस्सा बनने का अवसर दिया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए आनापान ध्यान शिविर पूरी तरह निःशुल्क है। शिविर का संचालन छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय बाल शिविर संयोजक पीके नंदी करेंगे। इस शिविर का हिस्सा बनने के लिए पहले से सूचना देनी होगी।

● राजधानी के लोग अब सोने-चांदी और बर्तन के साथ शगुन में दे रहे लिफाफा, बुके और गिफ्ट हैंपर्स की अब भी पूछ-परख

बेटियों का जीवन संवारने माता-पिता खाते में जमा करवा रहे उपहार की राशि, ज्वॉइंट एकाउंट में एफडी का बढ़ने लगा चलन

आधुनिक दौर में शादियों में लाखों-करोड़ों रुपए फिजूल खर्च किए जाते हैं। अब शहर में होने वाली शादियों में माता-पिता बेटियों का जीवन संवारने के लिए उनके खाते में उपहार की राशि दे रहे हैं। शादियों में सामाजिक बदलाव भी देखने को मिल रहे हैं। पहले हजारों लोगों की भीड़ में शादी होती थी, अब समारोह सीमित लोगों की मौजूदगी में होने लगे हैं। इसके साथ दूल्हा और दुल्हन के भविष्य की बेहतरी के लिए ज्वॉइंट खाते में एफड़ी का भी चलन तेजी से बढ़ने लगा है। इसके साथ ही सोने-चांदी के आभूषणों के साथ ही लिफाफे में उपहार स्वरूप नकद राशि देने का सिलसिला आम हो गया है। बेटियों को उपहार में फर्नीचर, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामानों का पैकेज दिया जाने लगा है।

सुखद जीवन की शुरुआत करने खाते में नकद

नामदेव समाज के अध्यक्ष धरमेश नामदेव ने बताया कि शादियों में अब नकद राशि और 99 प्रतिशत शुद्ध सोना देने की सलाह दी जाती है। इसके लिए सामाजिक स्तर पर लोगों को सजग भी किया जा रहा है। अब लोग शादियों में वर-वधु को उपहार में नकद राशि खाते में देने लगे हैं। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने बताया कि विवाह से पहले वर-वधु पक्ष आपसी सहमति से उपहार की बात करते हैं। जहां माता-पिता बेटियों के नाम पर 5-10 लाख रुपए का एफडी करना पसंद करते हैं, ताकि भविष्य में उस पैसे को जरूरत के समय आपसी सहमति से उपयोग किया जा सके।

शादियों में अब व्यावहारिक उपहार का बदला ट्रेंड

प्रदेश कुनबी समाज के अमित डोये ने बताया कि आजकल नौकरी और शिक्षा के कारण मेट्रो सिटी में युवा रहना पसंद करते हैं। ऐसे में दूसरे राज्यों और शहरों तक सामान पहुंचाना कठिन होता है। इस समस्या को देखते हुए दूल्हा और दुल्हन पक्ष के लोग आपसी सहमति से राशि इकट्ठा करके दूल्हा-दुल्हन को चेक के रूप में देते हैं। साथ ही परिवार के सदस्य बेटियों के नाम से एफडी भी करवाने लगे हैं, जो उनकी बेटियों के खाते से कनेक्ट होता है। इसका अच्छा रिस्पांस भी मिल रहा है, क्योंकि इससे लोग भविष्य के सपने भी बुनने लगे हैं।

रायपुर। राजधानी में कई सामाजिक संगठनों की बेहतर सोच और पहल के चलते शादियों में उपहार देने का तरीका भी बदलने लगा है। लोग बेटियों को नकद, चेक और एफडी के माध्यम से भी उपहार देने लगे हैं। चांदी-सोने के आभूषणों के साथ बर्तन और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी उपहार में दे रहे हैं। यह उपहार अब पूरी तरह बेटियों की पसंद और उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए तय किए जा रहे हैं। ताकि समय आने पर उनका बेहतर उपयोग किया जा सके। विशेष रूप से बढ़ती महंगाई को देखते हुए यह बदलाव किया जा रहा है। इससे उपहार केवल दिखावे तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि वह विवाहित जीवन को मजबूत बनाने में नींव की तरह देखा जा रहा है। माहेवश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष निलेश मूंधड़ा ने बताया कि इन दिनों शादियों में उपहार देने का तरीका बदला है। अब माता- पिता बेटियों को पारंपरिक तोहफा देने की जगह सोने के गहने और चांदी के बर्तन भी उपहार स्वरूप देने लगे हैं, ताकि जीवन में जरूरत के समय उपहार में दी गई चीजें काम आ सकें।

वैवाहिक जीवन की बेहतर और आसान शुरुआत

जैन समाज के प्रनित जैन ने बताया कि नए शहर में दूल्हा-दुल्हन को वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत करने के लिए अब वधु पक्ष निश्चित राशि देने लगे हैं। यह राशि नए घर में मनपसंद घरेलू सामान खरीदने में काम आता है। इसके अलावा, इस राशि का उपयोग दूल्हा-दुल्हन नई जगह घूमने या नया व्यवसाय शुरू करने में करते हैं। यह बदलाव केवल दिखावे तक सीमित नहीं है, बल्कि युवा जोड़े के लिए विषम परिस्थितियों में आर्थिक और व्यावहारिक सहारा भी बन रहा है। कई लोग उस राशि से व्यवसाय की शुरुआत भी करते हैं।

पीतल और कांसे के बर्तनों का अब भी चलन

यादव समाज के माधव लाल यादव ने बताया कि बदलते दौर में भी पीतल और कांसे के बर्तनों का चलन है। ग्रामीण ही नहीं, शहरी क्षेत्र में भी लोग बेटी को उपहार में घरेलू उपयोग के लिए महंगे बर्तनों की सौगात देते हैं। इसका उपयोग वे जीवन पर्यन्त करते हैं। खराब होने पर उसे बदला भी जा सकता है। 1500 से करीब 3000 रुपए प्रति किलो मिलने वाले पीतल और कांसे के उच्च गुणवत्ता वाले बर्तन को उपहार में देने का चलन अब भी है। बेटी पक्ष के ज्यादातर रिश्तेदार बर्तन और घरेलू सामग्री को ही प्राथमिकता से देते हैं।

बाल दिवस पर स्कूलों में मेले का आयोजन, अंग्रेजी गणित-भाषा सिखाने सजाएंगे स्टॉल और प्रदर्शनी

प्राथमिक शालाओं व बालवाड़ियों में संयुक्त रूप से फाउंडेशनल लिट्रेसी एंड न्यूमरेसी मेला का आयोजन

रायपुर। बाल दिवस के मौके पर स्कूलों में खास आयोजन की तैयारी की जा रही है। इस दिन को लेकर बच्चों में बड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है। बाल दिवस को खास बनाने शिक्षा विभाग की ओर से प्राथमिक शालाओं व बालवाड़ियों में संयुक्त रूप से एफएनएन (फाउंडेशनल लिट्रेसी एंड न्यूमरेसी) नामक मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का उद्देश्य बच्चों में पढ़ने-लिखने और गणना करने की बुनियादी क्षमता विकसित करना है। इसकी जानकारी प्राथमिक शाला बूढ़ापारा संकुल समन्वयक एस चंद्राकर ने दी।

उन्होंने बताया कि बाल दिवस पर कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों के लिए 20 से अधिक रचनात्मक गणित, अंग्रेजी व भाषा विज्ञान के स्टॉल प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसका संचालन बच्चे स्वयं करेंगे और गणना, भाषा ज्ञान सीखेंगे।14 नवंबर को बाल दिवस को खास बनाने सभी प्राथमिक शालाओं में तैयारी की जा रही है। वहीं, सरकारी स्कूलों में भाठागांव प्राथमिक शाला, अमलीडीह प्राथमिक शाला, कुशालपुर प्राथमिक शाला के शिक्षकों ने भी बताया कि बाल दिवस को लेकर स्कूलों में मेला का आयोजन किया जा रहा है। कई तरह की खेल प्रतियोगिता और पेंटिंग कॉम्पिटिशन का भी आयोजन किया जाएगा। इसके लिए बच्चों को पहले से तैयार किया गया है। वहीं, बच्चों की बनाई पेंटिंग से क्लासरूम की सजावट भी शामिल है। टीचर्स भी इस दिन को यादगार बनाने के लिए पूरी तैयारी में जुटे हुए हैं।

गुलाब फूल देकर करेंगे सेलिब्रेट

चाचा नेहरू के पसंदीदा फूल गुलाब बच्चों को देकर सेलिब्रेट किया जाएगा। गौरतलब है कि चाचा नेहरु को इस दिन याद किया जाएगा। बच्चों में बाल दिवस को लेकर उत्साह का माहौल है। मेले में बच्चे अपने अंदर की प्रतिभा व ज्ञान को रचनात्मकता दे पाएंगे। इसको लेकर शिक्षकों में भी उत्साह का माहौल देखने को मिला।

स्कूलों में की गई खास सजावट

वहीं, बाल दिवस के मौके पर ब्लैकबोर्ड पर रंग-बिरंगे चॉक से हैप्पी चिल्ड्रन्स-डे लिखा जाएगा। इसके साथ ही बाल दिवस के थीम वाली ड्रॉइंग ब्लैक बोर्ड पर टीचर्स सजाएंगे। इसके लिए रंग बिरंगे चॉक से टीचर्स ड्राइंग बनाकर बच्चों को विस करेंगे। इस प्रकार से स्कूलों में बाल दिवस को उत्साह के साथ मनाने की पूरी तैयारी की गई है। बाल दिवस को और भी खास बनाने के लिए बच्चों द्वारा बनाई गई बेस्ट पेंटिंग्स को क्लासरूम की दीवार पर लगाई जाएगी।

श्री रानी सती दादी जी के जन्मोत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रायपुर। हर साल अगहन माह की नवमी तिथि को श्री रानी सती दादी जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। इस वर्ष भी मंदिर में दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहले दिन बुधवार को शाम 8.30 बजे मंदिर में विराजमान भगवान श्री गणेश, भगवान शंकर, भगवान हनुमान और पितर देवी-देवताओं का आह्वान कर पूरे विधि-विधान से पूजन किया गया और ज्योत प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। सभी ने पवित्र ज्योति के दर्शन किए और भक्ति में लीन होकर कार्यक्रम का आनंद लिया। गायिका वीणा मित्तल ने दादी के भजनों की प्रस्तुति दी, जिसमें श्रद्धालु भी ताल मिलाते हुए भजन-कीर्तन में शामिल हुए। भक्तिभावपूर्ण वातावरण में भजनों की गूंज पूरे मंदिर परिसर में कानों को सुकून और हृदय को आनंद प्रदान कर रही थी।

आज जात-धोक पूजा से अनुष्ठान की शुरुआत

भजन-कीर्तन के साथ ही देर रात 12.30 बजे दादी को छप्पन भोग अर्पित किया गया। इस दौरान दो सौ से अधिक श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। मंदिर समिति के अध्यक्ष किशोर ड्रोलिया ने बताया कि जन्मोत्सव का दूसरे दिन गुरुवार को सुबह 7.30 बजे जात-धोक पूजा से शुरू होगी। इसके बाद दोपहर 2 बजे से दादी जी का मंगल पाठ संपन्न किया जाएगा। शाम 6.30 बजे महाआरती के साथ दो दिवसीय जन्मोत्सव का समापन होगा। मंदिर में आयोजित यह भव्य उत्सव श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक अनुभव और भक्ति की अनूठी अनुभूति प्रदान करता है।

● मेडिकल स्टोर्स से बिना डॉक्टर्स की सलाह दवाओं के सेवन से किडनी फेल होने के बढ़ जाते हैं आसार

चिकित्सकों से परामर्श लेकर ही खरीदें दर्द की दवा, जानकारी लेने पहले बैच नंबर और क्यूआर कोड को करें स्कैन

कार्नर न्यूज

रायपुर। पैसे बचाने की होड़ में लोग अक्सर बिना योग्य डॉक्टर से परामर्श लिए मेडिकल स्टोर या फोन पर सलाह लेकर दवाओं को खरीद लेते हैं। लोगों के द्वारा की जा रही यह लापरवाही जानलेवा साबित हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि गलत दवा न केवल बीमारी को बढ़ा सकती है, बल्कि शरीर को नुकसान भी पहुंचा सकती है। चिकित्सकों ने बताया कि जानकारी के अभाव में लोगों द्वारा मरीजों को गलत दवा दी जाती है। इससे मरीज की स्थिति गंभीर हो जाती है। कुछ मामलों में लोग जान भी गंवा चुके हैं। इसलिए, दवाई लेने से पहले योग्य चिकित्सक की सलाह लेना बेहद जरूरी है। चिकित्सकों का कहना है कि कौन-सी दवाई, किस बीमारी के लिए तैयार की गई, इसकी पहचान करके ही सेवन करना चाहिए।

झोलाछाप डॉक्टर्स के इलाज से भी बचें लोग

जिला अस्पताल के डॉ. नियल मोजरकर ने बताया कि हाल ही में लगभग दो वर्ष और डेढ़ वर्ष के दो बच्चों का मामला सामने आया था। दोनों बच्चों के माता-पिता ने झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करवाया और गलत दवाई देने के कारण बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। वह असामान्य रूप से सुस्त हो गए और जरूरत से ज्यादा नींद आने लगी। साथ ही नाक और कान सूखने जैसी समस्याएं होने लगी थी। इसलिए, छोटे बच्चों के उपचार के लिए हमेशा योग्य चिकित्सक से परामर्श लें, ताकि इस तरह की स्थिति से बचा जा सकें। बच्चों की देखभाल में सावधानी बरतना चाहिए। एक गलत फैसला गंभीर स्थिति में पहुंचा सकता है।

एक्सपर्ट की सलाह पर करें दवाओं का सेवन

अंबेडकर अस्पताल की डॉ. मान्या रॉय ने बताया कि अस्पताल में एक महिला की श्वास नली में कैंसर की समस्या के कारण ऑपरेशन किया गया था। ऑपरेशन के बाद महिला नियमित रूप से अस्पताल में जांच और देखरेख के लिए आती रही। कुछ समय बाद श्वास नली दोबारा कठोर होती दिखी। शुरुआती दिनों में महिला ने इसे सामान्य लक्षण समझकर अस्पताल आने में लापरवाही की। जब तक जांच कराई गई, तब तक कैंसर के शुरुआती लक्षण दिखाई देने लगे थे। समय पर जांच के बाद अब इलाज जारी है। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि किसी भी तरह के लक्षणों को हल्के में न लें और तुरंत चिकित्सक से सलाह लें। बुखार में पैरासिटामॉल, एंटीबायोटिक का सेवन करने से एलर्जी भी हो जाती है। इससे शरीर में खुजली, सांस लेने में भी तकलीफ होती हैं।

गलत दवाओं का सेवन करना जानलेवा

अंबेडकर अस्पताल की डॉ. स्मृति श्रीवास्तव ने बताया कि अक्सर लोग घुटनों में दर्द होने पर बिना चिकित्सक की सलाह के पेन किलर लेते हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित होता है। ऐसी दवाओं का अनियमित सेवन करने से बुरा असर पड़ता है। कई बार किडनी फेल होने या किडनी ट्रांसप्लांट तक की नौबत आ जाती है। उन्होंने बताया कि इन दिनों सरकार के नियमानुसार अच्छी कंपनियों की दवाइयों में क्यूआर कोड दिया जाता है, जिसे स्कैन करके ऑरिजिनल दवाई की पहचान की जा सकती है। बैच नंबर को गूगल पर डालकर यह भी देखा जा सकता है कि दवाई किस बीमारी के लिए उपयोगी है।

सिटी स्पोर्ट्स

सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के लिए छत्तीसगढ़ टीम घोषित

रायपुर। बीसीसीआई की ओर से सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी का आयोजन 26 नवंबर से लखनऊ में किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने इस ट्रॉफी के लिए खिलाड़ियों का चयन कर सूची जारी कर दी है। जिसमें कप्तान अमनदीप खरे बीएसपी से होंगे। अन्य खिलाड़ियों में रायपुर से आयुष पांडेय, सान्निध्य हुरकत, प्रतीक यादव, गगनदीप सिंघ, आशीष चौहान, महासमुंद से शशांक चंद्राकर विकेट कीपर, बीएसपी से देवआदित्य सिंघ, प्रथम जाचक, दुर्ग से शशांक सिंह, राजनांदगांव से अजय मंडल, रायगढ़ से शुभम अग्रवाल, बिलासपुर से मयंक यादव, बस्तर से सौरभ मजुमदार, कोरिया से अमित कुमार यादव, भिलाई से मयंक वर्मा विकेट कीपर, संजीत देसाई, आनंद राव और पेशेवर खिलाड़ियों में आदित्य सरवटे व रवि किरण शामिल हैं। चैम्पियनशिप में सारे मुकाबले भारतरत्न श्रीअटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम लखनऊ में होंगे। जिसमें छत्तीसगढ़ टीम का मुकाबला विदर्भ से 26 नवंबर को, असम से 28 नवंबर को, केरल से 30 नवंबर को, ओडिशा से 2 दिसंबर को, आंध्र प्रदेश से 4 दिसंबर को, मुंबई से 6 दिसंबर को और रेलवे से 8 दिसंबर को होगा।

राज्य बैडमिंटन स्पर्धा में तीसरे दौर के मुकाबलों में रोमांचक दौर

रायपुर। सब जूनियर राज्य बैडमिंटन स्पर्धा बालक 15 वर्ष आयु समुह के (क्वालीफाईंग राउंड) मुकाबले सप्रे शाला बैडमिंटन हॉल रायपुर में जारी है। तीसरे दौर के परिणाम में सोहम अग्रवाल (रायपुर) ने हिमांशु रामचंदानी (रायपुर) को 15-7,7-15,15-13 ,धैर्य कुमार (दुर्ग) ने समर्थ पटेल (रायपुर) को 15-8,15-7, नक्ष निर्विकार सिंह (बिलासपुर) ने आदर्श पांडे (बालोद) को 15-2,15-3, हरसुल तरले (बीएसपी) ने मृत्युंजय सोनी (रायपुर) को 15-6,15-7,यश अहलावत (दुर्ग) ने गुलजार अल (बीएसपी) को 15-11,15-6,यथार्थ देवांगन (बस्तर) ने आरव सिंह परिहार (कोरबा) को 15-5,15-7,हृदयांश पटेल ((रायपुर) ने आरव कुमार (रायपुर) को 15-7,15-5,धीरज कुमार (दुर्ग) ने अभिनव सिंह ठाकुर (बालोद बाजार) को 15-6,15-9, दर्श मलिक (रायपुर) ने आयुष दिल्लीवार (बीएसपी) को 15-7,13,15,15-3, हर्ष देशपांडे (रायपुर) ने अविक पोरवाल (रायपुर) को 15-6,15-5, समर्थ वर्मा (रायपुर) ने अनुराग सुब्बा गुप्ता (बीएसपी) को 8-15,15-10,15-7, आर्यदेव सिंह ठाकुर (बिलासपुर) ने समर्थ सचदेव (रायपुर) को 15-12,15-12,शौर्य परमार (दुर्ग) ने वेदांत लिचड़े (राजनांदगांव) को 13-15, 15-6,15-6, भूपेन्द्र सिदार (रायगढ़) ने कुशाग्र वर्मा (बालोद बाजार) को 15-11,15-12, कृषव भटनागर (रायपुर) ने मानविक साहू (बिलासपुर) को 15-10,15-4, ऋषित कोचर (रायपुर) ने अयान मेहरा (बस्तर) को 15-11,15-13, तक्ष घोंगाडे (रायपुर) ने स्वराज साहू (बालोद बाजार) को 15-11,15-11, अभिमन्यु सिंह (रायपुर) मेंवे दांत सिंह (दुर्ग) को 15-9,15-10, आर्यन रजक (बिलासपुर) ने सभ्य कुमार ध्रुव (दुर्ग) को 15-6,15-8, हर्ष वैष्णव (राजनांदगांव) ने कविन शुक्ला (यूनिन क्लब) को 15-10,15-13,राघव तिवारी (रायपुर) ने आरुष साहा (दुर्ग) को 15-10,15-11,हर्षित कुमार (रायगढ़) ने कृष्णा त्रिपथ (बालोद बाजार) को 15-7, हराया।

रिंग फाइट के लिए खिलाड़ी जमकर कर रहे अभ्यास

रायपुर। छत्तीसगढ़ रिंग फाइट एसोसिएशन की टीम पश्चिम बंगाल में होने वाले नेशनल चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए जमकर अभ्यास कर रही है। बीते दिनों सात दिवसीय कैंप के बाद अब हर शनिवार और रविवार को संत ज्ञानेश्वर स्कूल में स्पेशल ट्रेनिंग कैंप लगाया जा रहा है। इसमें सुबह सात बजे संत ज्ञानेश्वर स्कूल के मैदान पर खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया। छत्तीसगढ़ रिंग फाइट एसोसिएशन की उपाध्यक्ष गीता श्याम दलाल ने बताया कि सचिव ओपी कटारिया और स्कूल की स्पोर्ट्स शिक्षिका ज्योति साहू खिलाड़ियों को लगातार प्रशिक्षण दे रही है। 31 अक्टूबर, एक और दो नवंबर के बाद आठ व नौ नवंबर को भी संत ज्ञानेश्वर स्कूल खेल मैदान में खिलाड़ियों को सतत प्रशिक्षण देकर तकनीकी रूप से सशक्त बनाया गया। रिंग फाइट खिलाडियों को यह प्रशिक्षण आगामी शनिवार-रविवार को भी दिया जाएगा। नौवीं नेशनल रिंग फाइट चैम्पियनशिप 12 से 14 दिसंबर को पश्चिम बंगाल में खेली जाएगी।

मानसिक स्वास्थ्य का सीधा असर आपके पाचनतंत्र पर, ध्यान रखना जरूरी

रोजमर्रा की भागदौड़ में ज्यादा तनाव बिगाड़ रहा आपका हाजमा, वक्त रहते हो जाएं सचेत

स्ट्रेस यानी तनाव होना मानसिक स्वास्थ्य की समस्या मानी जाती है। काम के दबाव और पारिवारिक-सामाजिक स्थितियों के कारण तनाव होना सामान्य है, पर अगर ये दिक्कत आपको लंबे समय तक बनी रहती है तो सावधान हो जाने की आवश्यकता है। स्ट्रेस की समस्या पर ध्यान न देना दीर्घकालिक तौर पर डिप्रेशन जैसी गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। स्ट्रेस की स्थिति में ब्लड प्रेशर बढ़ने से लेकर, घबराहट, पसीना आने जैसी समस्या होना सामान्य है, पर क्या आप जानते हैं कि ये पाचन विकारों का भी कारण बन सकती है?

यह आश्चर्यजनक हो सकता है पर स्ट्रेस लेने या मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण आपको पाचन से संबंधित लक्षण हो सकते हैं। इस तरह के लक्षण अक्सर पेट दर्द, कब्ज से संबंधित होते हैं जिनको लेकर आप कंफ्यूज हो सकते हैं।

स्ट्रेस और पाचन की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्ट्रेस सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं, शरीर में और भी कई प्रकार की दिक्कतों को बढ़ाने वाली हो सकती है। तनाव की स्थिति हमारी आंत में बैक्टीरिया

के संतुलन को प्रभावित करने लगती है जिससे पेट खराब हो सकता है। लंबे समय से तनाव और चिंता का अनुभव करने वाले लोगों में पेट की खराबी, दर्द, कब्ज, आंतों से संबंधित विकारों के बढ़ने का भी खतरा रहता है। इसके लक्षणों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है।

दस्त और अपच बने रहना

अगर आप भी अक्सर तनाव का शिकार रहते हैं तो ये पाचन विकारों जैसे दस्त और अपच के साथ कब्जियत का कारण बन सकती है। स्ट्रेस वाले हार्मोन बड़ी आंत में

मोटर फंक्शन को तेज कर देते हैं जिससे इस तरह की दिक्कतों का जोखिम रहता है। इसके अलावा आपको मितली की भी दिक्कत बनी रहती है। आमतौर पर ये दिक्कतें पाचन के अन्य रोगों के कारण होती हैं, इसलिए आप इससे कंफ्यूज हो सकते हैं।

मूत्राशय का अतिसक्रिय होना

तनाव हार्मोन के स्राव के कारण आपको बार-बार पेशाब करने की इच्छा हो सकती है या रात में पेशाब के लिए अधिक बार जागना पड़ सकता है। पेशाब के इस तरह की दिक्कतें डायबिटीज की स्थिति में भी होती रहती

हैं, ऐसे में इससे कंफ्यूज न हों। स्ट्रेस के कंट्रोल होते ही ये समस्याएं भी ठीक होने लग जाती हैं।

पेट में ऐंठन और दर्द

पेट में ऐंठन और दर्द की दिक्कत होना भी सामान्य तनाव प्रतिक्रिया है। स्ट्रेस हार्मोन के कारण हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ने लगता है जिसके कारण सूजन, दर्द और कब्ज होता है। स्ट्रेस की समस्या को कंट्रोल करना जरूरी माना जाता है, अगर इसपर ध्यान न दिया जाए तो इसके कारण आपकी शारीरिक स्वास्थ्य जटिलताओं के और भी बढ़ने का खतरा हो सकता है।

राष्ट्रीय नौकायन में छत्तीसगढ़ को 12 पदक दिलाने वाली बेटी को सराहा उपमुख्यमंत्री ने

रायपुर। पहली राष्ट्रीय आदिवासी कायाकिंग एंड कैनोइंग चैंपियनशिप में 12 ब्रोंज मेडल हासिल करने वाली बस्तर की बेटी मनमती बघेल की उपलब्धि को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने सराहा। उल्लेखनीय है कि हैदराबाद के हुसैन सागर झील में 28 से 31 अक्टूबर तक चली चैम्पियनशिप में जूनियर और सीनियर श्रेणी की महिला एवं पुरुष वर्ग में छत्तीसगढ़ कायाकिंग एंड कैनोइंग के खिलाड़ियों ने 2 सिल्वर और 16 ब्रोंज मेडल सहित कुल 18 पदक मिले थे। जिसमें मनमती बघेल ने कुल 12 ब्रोंज मेडल हासिल किए। इस उपलब्धि के साथ सुश्री बघेल ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात की। उनके साथ, कांस्य पदक विजेता सुमित कुरेती एवं पिंकी साहू कोच भी थे। सभी ने अपनी उपलब्धि से मंत्री साव को अवगत कराया। उनके साथ ही बलदेव सिंह भाटिया अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ ने मंत्री साव को बताया कि कायाकिंग एंड कैनोइंग खेल ओलंपिक खेल हे इस खेल के खिलाड़ी हर साल राज्य को पदक दिला रहे है। अभी आयोजित प्रतियोगिता में बस्तर के खिलाड़ियो ने राज्य का मान बढ़ाया है वंहा के खिलाड़ियो में बहुत क्षमता है जरूरत है उन्हें सुविधाएं देने की। जिस पर उपमुख्यमंत्री साव ने अपनी सहमति जताते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इसके साथ ही बलदेव सिंह भाटिया अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ ने रजत पदक विजेता को 3100 रुपए, कांस्य पदक विजेता को 2100 रुपए एवम मनमती बघेल को 10000 रुपए का पुरस्कार घोषित किया। इस अवसर पर प्रशांत सिंह रघुवंशी सहसचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ ने खिलाड़ियो को हो रही परेशानी से उपमुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए बताया कि बूढ़ा तालाब पर सुरक्षा का अभाव है जिस कारण खिलाड़ी परेशान हो रहे है और खेल सामग्री खराब हो रही हैं। उपमुख्यमंत्री साव ने इस परेशानी का निवारण तुरंत करने का आश्वासन देते हुए अपनी शुभकामनाएं सभी खिलाड़ी को दी।

> ■ बूढ़ा तालाब में व्याप्त समस्याओं से अवगत कराया खिलाड़ियों ने

एक जैसी इडली खाकर हो गए हैं बोर तो ट्राई करें इसका हैदराबादी स्टाइल

हैदराबादी स्टाइल इडली काफी ज्यादा मसालेदार, कुरकुरी और स्वादिष्ट होती है। इसे आप अपने घर पर सुबह के नाश्ते में गर्मागर्म बनाकर चटनी के साथ सर्व कर सकते हैं। हैदराबादी स्टाइल में इडली बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को एक जार में डालकर इसका महीन पाउडर बना लें। अब इसमें चावल और उड़द दाल के आटे को अच्छे से मिला लें। इसका बैटर बनाने के लिए 1 टीस्पून नमक, दही और पानी डालें। इसे कुछ मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें।

तब तक पोड़ी मसाला तैयार करें। एक पैन में एक चम्मच तेल गर्म करके उसमें चना दाल और उड़द दाल को पीस लें। जब ये सुनहरा होने लगे तो इसमें तिल और साबुत लाल मिर्च डालें। गैस बंद करने के बाद इसनें हींग डालें।

इडली के बैटर को इंस्टेंट तैयार करने के लिए इसमें फ्रूट सॉल्ट मिलाएं। इसके बाद अब 2-3 टेबलस्पून तेल के साथ स्टोव पर एक फ्लैट पैन या तवा गरम करें। इस पर कटे हुए प्याज, करी पत्ता और हरी मिर्च को सुनहरा होने तक भूनें। जब ये सुनहरा हो जाए तो इसमे कटे हुए टमाटर डालें। इसमें दो चम्मच पोड़ी मसाला मिलाएं। अब अब इस मसाले को चार भागों में बांट लें।

मसाला के प्रत्येक ब्लॉक के ऊपर एक स्कूप इडली बैटर डालें। अब इसे लिड के ढक कर बंद कर दें और फूलने तक इंतजार करें। इसे आपको चार से पांच मिनट तक पकाना है। ऐसे ही इसे पलट कर दूसरी तरफ से भी सेकें। आप इसे अपने हिसाब से कुरकुरा बना सकते हैं। धनिया के साथ इसे सजाकर गर्मागर्म ही चटनी के साथ परोसें।

छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की तैयारी शुरू, किया स्थल निरीक्षण

रायपुर। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), नई दिल्ली से खेलो इंडिया इवेंट्स की निदेशक के नेतृत्व में रायपुर एवं बस्तर में उपलब्ध खेल अधोसंरचनाओं का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि आगामी खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा की जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में 'साई' के अधिकारियों की एक टीम ने दो दिवसीय प्रवास के दौरान रायपुर और जगदलपुर (बस्तर) में संभावित स्थलों का निरीक्षण किया।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में दिल्ली से आए निरीक्षण दल ने खेल मैदानों के लिए दो शहरों रायपुर एवं बस्तर मुख्यालय जगदलपुर को चिह्नित किया है। भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय की 'खेलो इंडिया योजना' के तहत यह नई पहल आदिवासी युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगी। यह आयोजन जनजातीय गौरव वर्ष (15 नवम्बर 2024 से 15 नवम्बर 2025) के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य

खेलों के माध्यम से आदिवासी समुदायों की संस्कृति, परंपरा और सशक्तिकरण को राष्ट्रीय पहचान दिलाना है।

'साई' टीम का नेतृत्व ममता ओझा, निदेशक, खेलो इंडिया इवेंट्स ने किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सलाम ने विभागीय अधिकारियों के साथ मिलकर 'साई' की टीम को विभिन्न खेल अधोसंरचनाओं का अवलोकन कराया तथा वहां की सुविधाओं, लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं, आयोजन की तैयारियों और आवश्यक जानकारियों से अवगत कराया।

पहला दौरा 11 नवंबर को रायपुर में आयोजित किया गया। जिसमें रेसलिंग, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, स्विमिंग और कबड्डी जैसे खेलों के लिए इनडोर स्टेडियम, आउटडोर स्टेडियम, पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय, हॉकी स्टेडियम (पिच-1 और 2), स्विमिंग पूल, साइंस कॉलेज तथा सीएसईबी ग्राउंड का निरीक्षण किया गया। इन स्थलों की उपयुक्तता पर सकारात्मक राय व्यक्त की गई।

इसके अलावा बुधवार को बस्तर में एथलेटिक्स, आर्चरी और मल्लखंब (डेमो खेल) की प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु जगदलपुर, जिला बस्तर के धरमपुरा खेल परिसर और इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम को चिन्हित किया गया तथा आयोजन हेतु प्रारंभिक सहमति बनी। 'साई' से उपस्थित अधिकारी श्रीनिवास मालेकर, उप निदेशक, खेलो इंडिया, गोपाल कंडपाल, कनिष्ठ सलाहकार, खेलो इंडिया, 'साई', आदित्य ब्रह्मे, सलाहकार, 'साई' पीएमयू, छत्तीसगढ़ राज्य टीम में शामिल अधिकारी तनुजा सलाम, संचालक, खेल एवं युवा कल्याण विभाग,गिरीश शुक्ला, खेल अधिकारी, टी. एन. रेड्डी, वरिष्ठ प्रशिक्षक, विवेक भट्टाचार्य, सलाहकार (पीएमयू) शामिल थे।

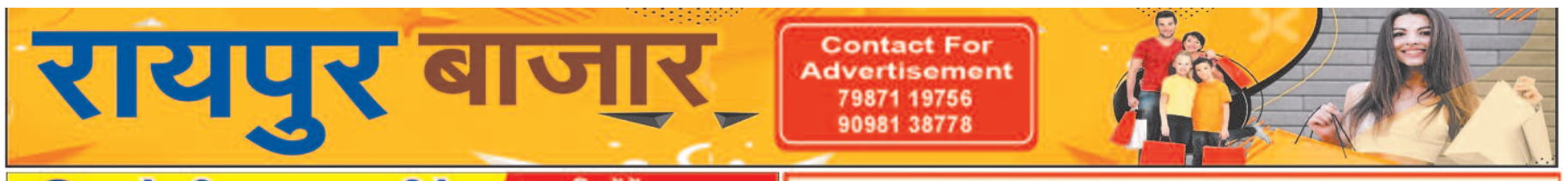

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

99 वर्ष की उम्र में जीता डेटाइम एमी पुरस्कार 'जनरल हॉस्पिटल' ने हासिल किए सात अवॉर्ड

डेटाइम एमी अवॉर्ड्स 2025 में डेविड एटनबरो ने 99 वर्ष की उम्र में अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड कायम किया है। वहीं जनरल हॉस्पिटल शो ने सबसे ज्यादा पुरस्कार हासिल किए। कैलिफोर्निया के पासाडेना में डेटाइम एमी अवॉर्ड्स का आयोजन किया गया। इस समारोह में कई अमेरिकी अभिनेताओं और फिल्मों को पुरस्कार से नवाजा गया। इस कड़ी में डेविड एटनबरो ने 99 वर्ष की उम्र में सबसे उम्रदराज सेलेब के रूप में डेटाइम एमी विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं 'जनरल हॉस्पिटल' शो ने सबसे ज्यादा पुरस्कार जीतकर सभी को हैरान कर दिया। सर डेविड एटनबरो ने 99 साल की उम्र में सबसे उम्रदराज शख्स के रूप में डेटाइम एमी विजेता का पुरस्कार जीता। डेविड एटनबरो इस कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे। आपको बताते चलें कि एटनबरो लेखक, होस्ट और मोटिवेटर और एक ब्रिटिश पत्रकार के रूप में आठ दशकों से सक्रिय हैं। एटनबरो ने डिक वैन डाइक का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्हें 98 साल की उम्र में नेटफ्लिक्स के ₹सीक्रेट लाइव्स ऑफ ऑरंगुटान्स₹ में भूमिका निभाने के लिए पुरस्कार मिला था। 'जनरल हॉस्पिटल' ने प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ डेटाइम ड्रामा सीरीज का पुरस्कार जीता, तथा सात ट्रॉफियों के साथ सबसे अधिक पुरस्कार जीते, जिनमें सर्वश्रेष्ठ ड्रामा अभिनेत्री (नैन्सी ली ग्राहन), सर्वश्रेष्ठ सहायक ड्रामा अभिनेता (जोनाथन जैक्सन) और डेटाइम ड्रामा लेखन आदि शामिल हैं। डेटाइम एमी 2025 विजेताओं में सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज- जनरल हॉस्पिटल, सर्वश्रेष्ठ टॉक सीरीज- लाइव विद केली एंड मार्क, सर्वश्रेष्ठ ड्रामा अभिनेत्री- नैन्सी ली ग्राहन - (जनरल हॉस्पिटल), सर्वश्रेष्ठ ड्रामा अभिनेता- पॉल टेल्फर जेंडर (डेज ऑफ आवर लाइव्स), सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सहायक अभिनेता- जोनाथन जैक्सन (जनरल हॉस्पिटल) और सर्वश्रेष्ठ ड्रामा निर्देशन टीम- जनरल हॉस्पिटल शामिल हैं।

टॉलीवुड

विजय के बेटे जेसन की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म के टाइटल का हुआ एलान

साउथ अभिनेता थलपति विजय के बेटे जेसन संजय निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। उनकी पहली फिल्म के शीर्षक का एलान हो चुका है। इसकी जानकारी अभिनेता संदिप किशन ने दी है। लाइका प्रोडक्शन हाउस के तहत निर्माण हो रही जेसन संजय द्वारा निर्देशित डेब्यू फिल्म का शीर्षक 'सिग्मा' है। इस फिल्म में संदीप किशन मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेता का पहला लुक भी सामने आ गया है। पोस्टर में एक्टर संदीप को सोने की ईंटों और पैसों के ढेर पर बैठे हुए दिखाया गया है। साथ ही वह अपने हाथ पर लगे घाव पर पट्टी बांधते दिख रहे हैं। अभिनेता संदीप किशन ने अपने एक्स अकाउंट पर इस टाइटल अनाउंसमेंट पोस्टर को साझा किया है। एक्टर ने शीर्षक के अर्थ को समझाया है। उन्होंने ट्वीट किया, 'जेसन संजय के निर्देशन की पहली फिल्म 'सिग्मा'। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है। जब आप खुद पर कभी हार नहीं मानते, खासकर इस अन्यायपूर्ण दुनिया में, तो आप एक सिग्मा हैं। जेसन संजय आपको शानदार अनुभव देंगे।' फिल्म 'सिग्मा' को लाइका प्रोडक्शंस का समर्थन प्राप्त है। यह एक्शन-एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म है, जो छिपे हुए खजाने का पता लगाने का काम करेगी। फिल्म में संदीप किशन के अलावा फारिया अब्दुल्ला, राजू सुंदरम, अंबू थासन, योग जपी, संपत राज, किरण कोंडा और मगालक्ष्मी सुधारसनन मुख्य भूमिकाओं में हैं।

भोजपुरी

बैकलेस ब्लू ड्रेस में मोनालिसा ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

भोजपुरी सिनेमा से टीवी की दुनिया में नाम कमाने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया क्वीन भी बन चुकी हैं। हर दिन एक्ट्रेस फैंस के साथ अपने नए लुक की फोटोज शेयर करती हैं। जो अपलोड होते ही वायरल होने लगती है। मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से कई सारी ब्यूटीफुल फोटोज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा का ग्लैमरस लुक देखने को मिला। एक्ट्रेस ने ब्लू कलर की बैकलेस ड्रेस पहनी हुई है। मोनालिसा ने इस ड्रेस बेबाकी से अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया। एक्ट्रेस की ये अदाएं फैंस को दीवाना बना रही हैं।एक्ट्रेस ने अपना लुक लाइट मेकअप, बालों में हाफ पोनीटेल और व्हाइट शूज के साथ कंपलीट किया है। मोनालिसा ने फोटोज को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'लाइफ के लिए पोजर।।।' इसके साथ एक्ट्रेस ने नजर की कई इमोजी भी बनाई।एक्ट्रेस की तस्वीरों पर सिर्फ एक घंटे में ही हजारों लाइक्स आ चुके हैं। कमेंट सेक्शन में यूजर्स उन्हें बिग बॉस क्वीन भी कहते दिखे।बता दें कि मोनालिसा ने अपना करियर भोजपुरी सिनेमा से शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने टीवी में कदम रखा और यहां भी अपनी एक्टिंग से छा गई।

लाइफ स्टाइल

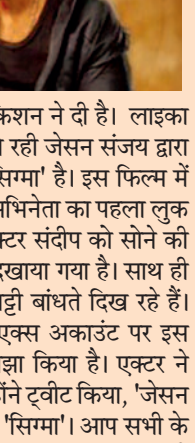

कॉर्सेट की वापसी

डिज़ाइनर कॉर्सेट फिर एक बार तेज़ी से लोकप्रिय हो रहे हैं क्योंकि दुल्हनें इन्हें बेहद दिलचस्पी के साथ अपना रही हैं। ये कॉर्सेट आरामदायक होने के साथ-साथ बॉडी के कर्व्स को भी उभारती हैं। विस्तृत कढ़ाई, मोतियों की सजावट या लेस वाली कॉर्सेट डिज़ाइनर लहंगों, ड्रेसों और यहाँ तक कि साड़ी के ब्लाउज़ में भी मुख्य आकर्षण बन रही हैं। यह ब्राइडल ट्रेंड शीयर कटआउट या अलग होने वाली स्लीव्स जैसे नए ट्विस्ट के साथ विंटेज ग्लैमर को वापस लाता है। इस तरह के ट्रेंडिंग वेडिंग आउटफिट उन दुल्हनों के लिए बिल्कुल सही हैं जो आधुनिक स्पर्श के साथ बीते दौर का स्टाइल पसंद करती हैं।

मोजों के भी होते हैं कई स्टाइल, अपने लिए चुनिए बेस्ट वाला

फैशन के इस दौर में मोजों की स्टाइलिंग पर भी थोड़ा सोचना-समझना पड़ता है। आप भी मोजों को लेकर अक्सर कंफ्यूज रहते हैं तो इनसे जुड़ी थोड़ी जानकारी जुटा लीजिए। जान लीजिए कि मोजे भी बस कुछ नहीं बल्कि कई तरह के आते हैं। मोजों के इन टाइप को जानकार आप अपने लिए सही और आरामदायक मोजों का चुनाव कर पाएंगे-

कंप्रेशन सॉक्स : ये मोजे हेल्थ के नजरिए से बेस्ट हैं। इन मोजों में कंप्रेशन थेरेपी का इस्तेमाल होता है। इसमें एंकल और पैरों पर हल्का दबाव पड़ता रहता है। इनसे ब्लड फ्लो भी मेनटेन होता है। पैरों में दर्द आदि से भी छुटकारा मिलता है। इन मोजों को किसी भी दूसरे मोजे की तरह ही आप पहन सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि इसे ऊपर से फोल्ड बिल्कुल ना करें। इससे पैर टाइट हो जाएगा, जिससे पैरों में दर्द भी हो सकता है। अगर आपके पैरों में दिक्कत ज्यादा है तो इन मोजों को पहनने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

एंकल सॉक्स : एंकल सॉक्स उनके लिए बेहतरीन हैं, जो मोजे पहनना तो चाहते हैं लेकिन इसको दिखाना बिल्कुल नहीं चाहते हैं। ये मोजे उन लोगों के लिए भी अच्छे हैं जो मोजे पहनना तो मैचिंग चाहते हैं लेकिन मैचिंग मोजे समय पर उन्हें कभी नहीं मिलते हैं। मतलब आपको रंगों के कॉर्डिनेशन की चिंता बिल्कुल नहीं करनी है। ये मोजे अक्सर तरह-तरह के प्रिंट में बाजार में मिल जाते हैं। कोशिश करें इन मोजों को जींस के साथ ही पहनें।

ड्रेस सॉक्स : मीटिंग के लिए ये मोजे बेस्ट रहते हैं। दरअसल ये मोजे पिंडली (calf) के पास तक जाते हैं। जिससे सूट की क्रीज मेनटेन रहती है। इन मोजों के रंग सूट से मैचिंग के चुनें और जूते भी फॉर्मल ही पहनें। मोजों के रंग फॉर्मल जैसे ब्राउन, ब्लू या ब्लैक में हीं लें।

क्रू सॉक्स : ये मोजे अक्सर बाहर रहने वालों के लिए अच्छे रहते हैं। इन मोजों से पैरों को आराम मिलता है क्योंकि इनसे पिंडलियों को काफी सपोर्ट मिलता रहता है। ये मोजे स्पोर्ट्स से जुड़ी एक्टिविटी के लिए अच्छे रहते हैं। इनको स्नीकर्स या रनिंग शूज के साथ ही मैच करें।

ताबी सॉक्स :ताबी सॉक्स में अंगूठा अलग से होता है इसलिए इनको स्लीपर्स के साथ पहनना आसान होता है। सर्दी के मौसम में जब आप हमेशा मोजे पहने रहेंगे तब ये मोजे ही काम आएंगे

जींस में स्टाइलिश दिखने ट्राई करें ये हैक्स, मिलेगा डिफरेंट लुक

जींस स्टाइल करना हर लड़की को पसंद होता है। इसलिए वो अक्सर कैजुअल लुक के लिए इसे स्टाइल करती है। लेकिन अगर आप इसी जींस में अपने लुक को स्टाइलिश बनाना चाहती हैं तो यहां बताए गए हैक्स आपके काफी काम आएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि इन्हें ट्राई करके आप कम्फर्टेबल भी रहेंगी। साथ ही स्टाइलिश भी नजर आएगी। चलिए जानते हैं उन हैक्स के बारे में जिन्हें आप ट्राई कर सकती हैं और लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

ओवर साइज जींस करें स्टाइल

आप अगर फिटिंग जींस पहनती हैं तो इसके साथ ज्यादातर लड़कियां क्रॉप टॉप पहनना पसंद करती हैं। ऐसे में आप कुछ नया ट्राई करें। ओवर साइज जींस वियर करें जिसके साथ आप हर तरह की टी-शर्ट या टॉप को वियर कर सकती हैं। इसे स्टाइल करने से आपका लुक परफेक्ट लगेगा। साथ ही आप स्टाइलिश जर आएंगी। इसमें आपको अलग-अलग तरह के जींस ऑप्शन मिल जाएंगे। जैसे डबल शेड जींस, रफल जींस या फिर फेडेड जींस।

स्टाइलिश फुटवियर को जींस के साथ करें वियर

आप कोई भी आउटफिट वियर करते हैं तो इसके साथ आपको फुटवियर जरूर पहनने चाहिए। इन्हें वियर करने से आपका लुक परफेक्ट (स्टाइलिश टॉप) लगता है। इसके लिए आप जींस के साथ हाई हील्स, बूट्स या फिर लेटेस्ट डिजाइन वाले स्नीकर्स को वियर कर सकती हैं। इससे भी आपका लुक जींस में परफेक्ट लगेगा। अक्सर हम जब भी जींस वियर करते हैं तो इसमें हर बार अलग-अलग कलर को चूज करते हैं। ऐसा इसलिए करते है ताकि हमारे पास टॉप (हार्ट वेस्ट जींस स्टाइल) के साथ शेड मैचिंग करने के लिए जींस हो। इसका फर्क आपकी हाइट पर भी पड़ता है। अगर आप लंबी हैं और डार्क कलर जींस पहन रही हैं तो उसमें आपकी हाइट और ज्यादा लंबी नजर आएगी।

ऑर्गेंजा साड़ी में स्लिम दिखने के लिए टिप्स को करें फॉलो

आजकल लड़कियों को सबसे ज्यादा परेशानी ऑर्गेंजा साड़ी पहनने के दौरान होती है। क्योंकि वो पहले से ही फूली हुई होती है और सही तरीके से नहीं बांधी जाए तो लुक खराब कर देती है। ऐसे में आपको जानना चाहिए कि कैसे आप इसे ड्रेप कर सकती हैं ताकि मोटी नहीं बल्कि पतली नजर आएं।

प्लेन वी नेक ब्लाउज को करें स्टाइल

इस साड़ी में स्लिम दिखने के लिए सबसे पहले आपको ब्लाउज के डिजाइन का ध्यान रखना है। क्योंकि अगर आप किसी भी डिजाइन का हैवी ब्लाउज सिलवाएंगी तो साड़ी का लुक अच्छा नहीं लगेगा। ऐसे में आप प्लेन कपड़े का वी नेक ब्लाउज डिजाइन कराएं और इस साड़ी के साथ वियर करें। इसकी बाजू आपको कैसी रखनी है ये आपकी पसंद के ऊपर निर्भर करता है।

ब्रॉड प्लीट्स बनाएं

अगर आप साड़ी की प्लीट को छोटा-छोटा बनाएंगी तो आप मोटी नजर आएगी। इससे अच्छा है आप प्लीट को बड़ा-बड़ा (पल्लू के प्लीट्स बनाते समय जरूरी बातें) बनाएं। इससे आप स्लिम नजर आएगी। इसके अलावा आप हिप्स के पास भी प्लीट न बनाएं बल्कि उसे आप प्लेन ही रखें। इससे आप पतली नजर आएगी।

आंखों के नीचे पड़े काले घेरों को हल्का करने के लिए ये उपाय

तनाव से लेकर नींद की कमी के कारण आंखों के नीचे काले घेरे हो जाते हैं। इस समस्या से राहत पाने के लिए आप एलोवेरा जेल और कच्चे दूध जैसी चीजों का इस्तेमाल कर सकती हैं। आंखों की खूबसूरती के क्या कहने। यूं नहीं इन आंखों पर लोगों का दिल आ जाता है। इतना ही नहीं, आंखों की सुंदरता पर तो गाने भी बन चुके हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह आंखें वह सब कुछ बता देती हैं, जो बातें जुबान नहीं कह पाती हैं। क्या बादाम के तेल के उपयोग से डार्क सर्कल्स हल्के हो सकते हैं? बादाम का तेल बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। इस तेल में कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्किन के लिए फायदेमंद है। आंखों के नीचे पड़े काले घेरों को हल्का करने के लिए आप बादाम के तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। बादाम के तेल में विटामिन ई और के पाए जाते हैं। डार्क सर्कल्स की समस्या को कम करने के लिए इस तरह करें इस तेल का इस्तेमाल-

बराबर मात्रा में बादाम के तेल में विटामिन ई मिलाएं। रात को सोने से पहले आंखों के नीचे बादाम का तेल लगाएं। फिंगर टिप की मदद से मसाज करें। रोजाना आंखों के नीचे इस तरह से बादाम का तेल लगाने से डार्क सर्कल्स हल्के हो जाएंगे। (डार्क स्पॉट्स को हल्का कैसे करें)

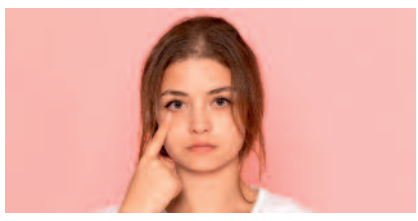

डार्क सर्कल्स को हल्का कैसे करें?

अगर आपके भी आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स हो गए हैं, तो आप बाजार से महंगी आई क्रीम खरीदने के बजाय किचन में मौजूद कुछ चीजों का उपयोग करके इस समस्या से छुटकारा पा सकती हैं। त्वचा पर टमाटर का इस्तेमाल किया जाता है। डार्क सर्कल्स को हल्का करने के लिए इस तरह करें टमाटर का उपयोग

टमाटर को मिक्सी में पीस लें। अब इसमें दो बूंद नींबू के रस की मिलाएं।

कार्नर न्यूज

अपने स्टाइल को खराब करने से अच्छा होगा कि इन भ्रमों को पहचान लें

मेंस फैशन में स्टाइल से बहुत से भ्रम दुनिया भर में मानते हैं लोग, इनको पहचान लीजिए

लेटेस्ट ट्रेंड में बने रहने के लिए आप हर फैशन ब्लॉग खंगालते हैं। साथ में फैशन मैगजीन और ट्रेंड से जुड़े पॉडकास्ट भी। तो आप सच में फैशन फ्रीक हैं। अब अगर आपको फैशन फ्रीक कहा जा रहा है तो ये भी जान लीजिए कि पुरुषों की स्टाइल से जुड़े भ्रम भी बहुत से हैं।

मतलब इन्हें माना जाता है कि ये आपकी स्टाइल को सूट करते हैं। लेकिन ये आपका भ्रम है। पुरुषों की स्टाइल से जुड़े भ्रम आपकी लुक पर की गई मेहनत को मानो जीरो ही कर देते हैं। लेकिन आप इनको अपने लुक पर आजमाए जा रहे हैं, सोच रहे हैं कि आप बेस्ट लगेंगे। मगर आप गलत हैं। अब और ज्यादा अपने स्टाइल को खराब करने से अच्छा होगा कि आप पुरुषों की स्टाइल से जुड़े भ्रमों को पहचान लें।

आपको हमेशा ट्रेंड में रहना होगा

नहीं, ऐसा बिल्कुल भी जरूरी नहीं है कि आपको ट्रेंड में रहना होगा। फैशनेबल दिखने के लिए जरूरी नहीं कि आप सारे ट्रेंड कॉपी करें। सबका अपना स्टाइल और लुक होता है और सारे ट्रेंड उस पर सूट ही करें ये जरूरी तो नहीं। सोचिए, जो

शर्ट कार्तिक आर्यन पर अच्छी लगेगी, जरूरी नहीं कि वो आप पर भी अच्छी लगे। इसलिए स्टाइलिश दिखने के लिए हर ट्रेंड फॉलो करना छोड़ दीजिए।

अच्छी बॉडी तो लुक होगा गुड

बॉडी बढ़िया बनी हो तो आपका अच्छा दिखना पक्का है। फिर कुछ भी पहनों आप अच्छे लगेंगे ही। अगर आप ऐसा सोचते हैं तो आप गलत हैं। क्योंकि बॉडी के सिक्स पैक एब का आपके हर स्टाइल पर अच्छा लगने का कोई कनेक्शन नहीं है। कपड़े अगर अच्छे लगते हैं तो बिना सिक्स पैक के भी अच्छे लगेंगे ही। इसके लिए आपको बॉडी बनाने पर एक्स्ट्रा मेहनत करने की जरूरत नहीं है।

कपड़े कोई नहीं देखेगा

कैसे भी दिखो लेकिन सामने वाला आपका कैरेक्टर सबसे पहले जज कर लेगा। इसलिए कपड़े इतनी अहमियत रखते ही नहीं हैं। ऐसी सोच के साथ आप गलत हैं, आपके कपड़े आप पर कितने अच्छे लग रहे हैं, इस बात का ही सबसे पहला असर सामने वाले पर पड़ता है।

इसलिए अपनी ड्रेसिंग को मौके के हिसाब से तय करने से अच्छा है कि हमेशा अच्छे लगने की कोशिश की जाए। दरअसल ज्यादातर लोग तब तैयार होते हैं, जब कोई खास मौका हो। उन्हें लगता है बाकी जगह तो लोग उनके लुक को जज नहीं करेंगे।

अच्छे से तैयार होने में समय लगेगा

अच्छे दिखना है तो खुद को तैयार करने में बहुत समय देना पड़ता है। ज्यादातर लोग ये भी मानते हैं लेकिन ये भी भ्रम ही है। अगर कुछ प्लानिंग के साथ कपड़ों की स्टाइलिंग की जाए तो बेस्ट लुक पाने के लिए भी बहुत समय नहीं लगेगा।

इंटरचेंजेबल वॉर्डरोब इसी समय काम आती है। जिसमें कई ऐसे कपड़े होते हैं जो एक- दूसरे के साथ अच्छे से मैच हो जाते हैं। कुछ ऐसा ही अगर मैनेज किया जाए तो हर बार नए लुक के लिए कुछ खास मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। ये तकरीबन सभी लोग मानते हैं कि ब्रांड कोई भी हो साइज सबके एक जैसे ही होते हैं। लेकिन ये भी गलत है। आप शायद खुद अनुभव भी कर चुके होंगे। मगर अब इसको अच्छे से मान लीजिए कि साइज एक जैसे होने की कोई गारंटी नहीं होती है।